दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 145
मुरादाबाद
(Tuesday)
16 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कोसी-सीमांचल वासियों को पीएम मोदी ने दी सौगात, पूर्णिया एयरपोर्ट का शुभारंभ किया

पूर्णिया आने से पहले पीएम मोदी ने कोसी-सीमांचल वासियों को एक बड़ी सौगात दी। उन्होंने पूर्णिया में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड के स्थापना करने की घोषणा की। कहा कि मखाना और बिहार का बहुत गहरा नाता रहा है। मखाना बोर्ड से इस क्षेत्र के हमारे किसान भाई-बहनों को बहुत लाभ होने वाला है। धानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोसी-सीमांचल वासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने 10 साल पहले जिस एयरपोर्ट को लेकर घोषणा की थी, उसका आज शुभारंभ कर दिया है। अब बिहार में पटना, गया, दरभंगा

और पूर्णिया मिलाकर कुल चार एयरपोर्ट हो गए। पूर्णिया एयरपोर्ट कोलकाता के बाद पूर्वी भारत का भी सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन गया है। इस कदम को सीमांचल और कोसी क्षेत्र के विकास के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्णिया पहुंच चुके हैं। चुनापुर सैन्य हवाई अड्डे पर सीएम नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम ने उनका स्वागत किया।

कुछ ही देर में वह पूर्णिया एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद बिहार वासियों को 36 हजार करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। इसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे।पीएम मोदी ने बिहार आने से पहले सोशल मीडिया पर लिखा कि मखाना और बिहार का बहुत गहरा नाता रहा है। पूर्णिया से राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की शुरुआत भी की जाएगी, जिससे इस क्षेत्र के हमारे किसान भाई-बहनों को बहुत लाभ होने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी की इस घोषणा के बाद, मखाना उत्पादकों, कृषि वैज्ञानिकों और स्थानीय समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है। उन्होंने कहा कि यह कदम उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाएगा और मखाना उद्योग को एक नई दिशा देगा। तेज प्रताप यादव ने कहा कि पीएम मोदी एयरपोर्ट या पुल का उद्घाटन करें लेकिन बाढ़ पीड़ितों के लिए कुछ मदद कर दें। आरा का जमुनियां गांव बह गया। वहां लोग रो रहे हैं। राघोपुर में हालात बदतर हैं। लेकिन, सरकार इनकी मदद नहीं कर रहे हैं। अब चुनाव आ रहा है तो पीएम मोदी सौगात देने की बात कर रहे हैं। पिछली बार बोलकर गए थे कि चीनी मिल चालू करवाएंगे। इसी मिल से हम चाय पियेंगे। लेकिन, अब तक ऐसा नहीं हुआ। पीएम मोदी केवल अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने आ रहे हैं। उनके आने से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 15 सितंबर को पूर्णिया एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे। पूर्णिया एयरपोर्ट को आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। इसका रनवे 2800 मीटर लंबा है, जो एयरबस और बोइंग जैसे बड़े कमर्शियल विमानों को भी आसानी से उतारने और उड़ाने में सक्षम है। एयरपोर्ट का 4000 वर्ग मीटर में फैला टर्मिनल भवन पूरी तरह से हाईटेक है, जिसे आने वाले 40 साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को पूर्णिया से सुपौल वासियों को तीन बड़ी सौगात देंगे। इसमें सुपौल के वीरपुर में केंद्रीय विद्यालय निर्माण कार्य और कोसी-मेची लिंक परियोजना का शिलान्यास करेंगे। साथ ही सहरसा-छेरहटा (अमृतसर) अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। यह ट्रेन सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर के रास्ते चलेगी। सुपौल के रास्ते चलने वाली यह दूसरी नियमित एक्सप्रेस ट्रेन होगी। इससे पहले शुक्रवार को सुपौल से पहली नियमित ट्रेन सुपौल-दानापुर-पुणे एक्सप्रेस का परिचालन शुरु हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

सभी वेबसाइट का मुख्य पृष्ठ मराठी में करना अनिवार्य, सरकार का सभी विभागों-मंत्रालयों को निर्देश

महाराष्ट्र सरकार ने सभी विभागों की वेबसाइट का मुख्य पृष्ठ मराठी भाषा में रखने का निर्देश दिया है। सभी वेबसाइट का डिजाइन, डोमेन नाम और सामग्री की प्रस्तुति एक जैसे फॉर्मेट में होगी, जिससे नागरिकों को भरोसेमंद और आसान सेवा मिले। सरकार के मुताबिक यह कदम विभागों की पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रदर्शन मूल्यांकन को बेहतर बनाने की योजना का हिस्सा है। महाराष्ट्र सरकार ने सभी विभागों और मंत्रालयों को निर्देश दिया है कि उनकी वेबसाइट का मुख्य पृष्ठ (ओपनिंग पेज) अनिवार्य रूप से मराठी भाषा में होना चाहिए। इसके साथ ही वेबसाइट का डिजाइन और नाम रखने का तरीका (नेमिंग प्रोटोकॉल) भी एक जैसा होना चाहिए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह फैसला सरकार के अगले डेढ़ सौ दिनों के प्रदर्शन के लक्ष्यों के तहत लिया गया है। उन्होंने कहा, आज के साइबर धोखाधड़ी और गुमराह करने वाली वेबसाइट के दौर में यह कदम जरूरी है। सभी मंत्रालयों और विभागों को एक निर्धारित डिजाइन में वेबसाइट तैयार करनी होगी, जिसमें उनकी वेबसाइट का नाम %.द्दश1.द्बठ्ठ% डोमेन के साथ होना चाहिए। वेबसाइट का मुख्य पृष्ठ मराठी में करना अनिवार्य रहेगा, क्योंकि मराठी राज्य की आधिकारिक भाषा है।

भारत-पाकिस्तान मैच से PCB ने कमाए 1000 करोड़, पैसा होगा भारत के खिलाफ इस्तेमाल;संजय राउत का हमला

राउत ने दावा किया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अकेले इस मैच से करीब 1,000 करोड़ रुपये की कमाई हुई। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, %यह पैसा हमारे खिलाफ इस्तेमाल होगा। क्या सरकार और बीसीसीआई को इसकी जानकारी नहीं है?f शवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोमवार को सनसनीखेज आरोप लगाया कि रविवार को खेले गए भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का सट्टा खेला गया। राउत के मुताबिक, इस सट्टे में से 25,000 करोड़ रुपये पाकिस्तान पहुंचे हैं।पीसीबी को 1,000 करोड़ की कमाई राउत ने दावा किया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अकेले इस मैच से करीब 1,000 करोड़ रुपये की कमाई हुई। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, %यह पैसा हमारे खिलाफ इस्तेमाल होगा। क्या सरकार और बीसीसीआई को इसकी जानकारी नहीं है? हाथ न मिलाने की घटना को बताया नाटक भारत ने यह मुकाबला सात विकेट से जीता, लेकिन मैच के बाद खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। राउत ने इस कदम को भी दिखावा करार

दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई आकस्मिक फैसला नहीं था बल्कि बीसीसीआई और टीम मैनेजमेंट की सहमति से लिया गया निर्णय था। मैच के आयोजन पर उठे सवाल यह हाई-वोल्टेज मुकाबला ऐसे समय में खेला गया जब भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव चरम पर है। पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद मई में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। ऐसे हालात में मैच के आयोजन पर कई राजनीतिक दलों और संगठनों ने बहिष्कार की मांग की थी। राउत का हमला- %सरकार आंखें खोले% राउत ने कहा, %जब देश में ऐसा माहौल है, तब पाकिस्तान को आर्थिक फायदा पहुंचाने वाले मैच खेलना समझ से परे है। सट्टेबाजी का इतना बड़ा जाल सरकार की आंखें खोलने के लिए काफी होना चाहिए। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा से भावनाओं का केंद्र रहा है, लेकिन इस बार मैदान से बाहर के विवादों ने इसे और ज्यादा चर्चा में ला दिया है।देशभक्ति पर मुनाफे को चुना वहीं, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, मैं पहले से कह रहा था कि भारत-पाकिस्तान का यह मैच खेला ही नहीं जाना चाहिए था। यह बेहद शर्मनाक है कि बीसीसीआई ने इस मैच को कराने का फैसला लिया। यह पहलगाम में मारे गए लोगों का अपमान है और हमारे सैनिकों का अपमान है। सरकार ने साफ तौर पर देशभक्ति पर मुनाफे को चुना बीसीसीआई के ठेकेदार मजदूरों से ज्यादा कुछ नहीं% प्रियांक खड़गे ने विवादित बयान देते हुए कहा, अभी खेलने की क्या जरूरत थी? यह हाथ न मिलाने का ड्रामा किसके लिए है? किसे बेवकूफ बनाने की कोशिश हो रही है? सारे राष्ट्रवादी कहां छिप गए हैं? अगर भारतीय टीम के कप्तान ने खेलने से इनकार कर दिया होता तो मैं उनकी सराहना करता... दुर्भाग्यवश, मेन इन ब्लू (यानी भारतीय टीम) बीसीसीआई के ठेके वाले मजदूरों से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

अमृतसर और गुरदासपुर में बाढ़ पीड़ितों से मिले राहुल गांधी, बाबा बुड्ढा साहिब गुरुद्वारे में टेका माथा

राहुल ने अपने सोशल मीडिया पर पंजाब सहित हिमाचल प्रदेश, उतराखंड, जम्मू-कश्मीर में आई बाढ़ पर गहरी चिंता व्यक्त की और साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि इस संकट की घड़ी में लोगों तक हर संभव मदद पहुंचाई जाए।

उन्होंने लिखा कि इन सभी प्रभावित इलाकों के लिए राहत पैकेज जारी किया जाए और लोगों के पुनर्वास के लिए पुख्ता कदम उठाए जाएं।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज पंजाब दौरे पर हैं। वे प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। राहुल गांधी अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां से अजनाला, रमदास के गांव में जाकर लोगों से मिले। राहुल गांधी रमदास स्थित गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा जी साहिब में भी नतमस्तक

हुए।इसके बाद वह गुरदासपुर गए और वहां के हालातों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने ट्रैक्टर की सवारी की। राहुल गांधी हवाई सर्वे के बजाय सीधे गांव-गांव जाकर लोगों से रुबरु हो रहे हैं।बिट्टू ने कसा तंज, बोले, बाढ़ के समय मना रहे थे छुट्टियां राहुल गांधी के पंजाब दौरे पर लुधियाना के पूर्व सांसद और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने तंज कसा है। बिट्टू ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राहुल गांधी पंजाब आ रहे हैं। जब उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव हो रहे थे, तब वह छुट्टियों का आनंद लेने में व्यस्त थे। जब पंजाब डूब रहा था और लोग रो रहे थे तो वह मलेशिया में ऐश कर रहे थे। यह दौरे लोगों का दर्द मिटाने के लिए नहीं, सियासी स्टेज पर ड्रामेबाजी करने के लिए लग रहे हैं।

जब कानून संसद में बनता है, तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता, रिजिजू बोले- इसी पर लगी सुप्रीम मुहर

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वक्फ संशोधन अधिनियम पर अंतरिम आदेश सुनाते हुए कानून की कुछ धाराओं पर रोक लगा दी। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर अब सरकार की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है।केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संसोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने एक तरह से भारत की संसद के फैसले को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब काई कानून संसद में बनाया जाता है तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता। इसी बात पर आज सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाई है।कोर्ट के आदेश पर रिजिजू ने कहा, वक्फ संशोधन अधिनियम पर पूरी सुनवाई के बाद आज सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश का मैं स्वागत करता हूं। सुप्रीम कोर्ट पूरे विषय से वाकिफ है। मामले को बहुत विस्तार से प्रस्तुत किया गया। सरकार की ओर से हमारे सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में अधिनियम के प्रावधानों

और उसकी मंशा और सरकार की सोच को विस्तार से प्रस्तुत किया है। मेरा मानना है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने जो भी फैसला दिया है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए बहुत अच्छा संकेत है, क्योंकि जब कोई भी कानून संसद में बनता है, तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता और इसी बात पर आज सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाई है। मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संतुष्ट हूं और क्योंकि यह देश की सर्वोच्च अदालत है, इसलिए जब भी सुप्रीम कोर्ट से कोई फैसला आता है, उसका प्रभाव पड़ता है, और एक तरह से भारत की संसद के फैसले को बरकरार रखा गया है। हम एक प्रैक्टिसिंग मुस्लिम के मामले को देखेंगे और नियमों में क्या शामिल किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में आज क्या हुआ? इससे पहले शीर्ष अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को लेकर बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कानून पर रोक लगाने की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून पर केवल दुर्लभतम मामलों में ही रोक लगाई जा सकती है। हमने माना है कि अनुमान हमेशा कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषदों में गैर-मुस्लिमों की संख्या तीन से अधिक नहीं हो सकती। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगा दी है, जिसके अनुसार पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले व्यक्ति ही वक्फ बना सकते हैं। कोर्ट ने कहा है कि यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा, जब तक यह तय करने के लिए नियम नहीं बन जाते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं।

संपादकीय Editorial

Kangra Bank or Auction House

The accounts of Kangra Central Cooperative Bank have deteriorated and hence financial decisions are now being held in check. The wonder of the politics of keeping financial institutions as mistresses is that all the bells that were played are now breaking in front of their power. Kangra Bank, caught in the list of lax financial system and insult to national financial discipline, is finally suspending its own board of directors under the whip of action. This decision of the government came at a time when the working methods of the bank, divided into stories, started being sold on the streets. The surprising thing is that the bank reached the garbage of content, flouting the directions of RBI and the guidelines of NABARD. This order is not so small that the current irregularities can be hidden under the tarpaulin of the next elections of the board of directors. There are so many such issues where the beneficiaries are found to be in contact with politics. The accounts of those who got big loans or who made money with loans will be found in these ruined accounts. The veiled bank is being exposed, when it has come to the point of serving notices to all the members of the board of directors including the chairman. The allegations are serious and if this method of operation continues, then the accounts of common account holders will one day be hit by lightning of emptiness. The bank has done many such miracles that even the financial institutions of the country will be left scratching their heads. Amidst all the symptoms of bankruptcy, the rate of NPA, the falling credibility of the financial base, laxity in the discipline of operation and all the flaws of the banking system, the bank is losing in the game of politics. The allocation of financial benefits within the bank and the system getting ruined due to suicidal steps have started measuring the bank as a testimony of its sinking existence. There was also a time when in the possibility of the bank, all the banks of the Pong Dam and all the cooperative societies became the reason for the revolution of deposits. The roots of this cooperative sector bank reached modern and commercial banking, but all the economic energy was invested in political business. In this context, in the name of OTS, a loan of Rs 45 crore on a hotel was sold for just Rs 21 crore. The bank's BOD devised such a method that the lender was able to sell the unique OTS to a third party outside the grace period. Neither was there an open auction of the property nor was the essence of OTS alive, rather the bank handed over the hotel worth Rs 45 crore loan to a political boss for Rs 21 crore with folded hands. This amazing deal of the banking sector is a stab on the back of those savings holders who trust this bank with every part of their deposits in rural areas. Kangra Bank, registered in the protection of rural economy, cooperative sector, small industries and small businessmen, has now become its own auction house. First such loans are sanctioned which are difficult to repay, then new flowers bloom through OTS. In such a situation, the government has sent the entire board of directors to Haridwar in time and has broken the fabric of the atmosphere of apprehension. Now it remains to be seen whether the infested grain is ground in this mill or this moment of scrutiny in the history

When AI conducts job interviews: Identifying specific skills only humans can... Machines help with shortlisting

It may make sense to use machine interviews to weed out unsavory candidates, but only humans can identify specific skills. Jennifer Dunn, 54, a marketing professional in San Antonio, went to an interview for a marketing job arranged by a recruiting firm a few months ago. She was excited to learn about her new role and her employer. Instead, a virtual artificial intelligence (AI) recruiter named Alex sent her a message on her mobile to schedule an interview. At the appointed time, Dunn received a call from Alex. "Are you human?" Dunn asked. "No, I'm not human. But I'm here to make the interview process go smoothly," she said. For the next twenty minutes, Dunn answered Alex's questions. However, Alex couldn't answer most of her questions. According to Dunn, the AI ??recruiter was trying to bring a friendly tone to the conversation, but he found it all strange. Perhaps that is why he disconnected the phone before the interview was over. You think that AI will take away your job, but it is posing a challenge by becoming the first recruiter. These autonomous recruiters, known as agentic AI, are a new form of AI. Some aspects of job search - such as checking resumes and scheduling meetings - have become increasingly automated over time, but interviews have long been considered the part of the process that requires the most human input. Now AI is making inroads in this area as well, making the job search journey even more frustrating. Charles Whitley, 22, a graduate in computer science and mathematics, who has interviewed with AI twice, says that talking with an AI interviewer 'feels very uncomfortable'. In one interview, words like hmm, oh were added to make the voice of AI sound more natural, but these were more frightening. In fact, robot interviewers have been developed to help employers talk to more candidates and reduce the burden of human recruiters. Propel Impact, a non-profit organization based in Vancouver, British Columbia, which teaches financial investment to youth, started using Ribbon AI's interviewer in January. The organization's executive director Sherlyn Chok said that this helped the organization screen 500 applicants for its fellowship program, which is much more than last year's 150 applicants. This saved time and also made it easier for the applicants. However, Sam Demeas, career expert of online job board ZipRecruiter, says that humans cannot be excluded from the recruitment process, because AI may have bias and it cannot be trusted to fully evaluate a candidate's experience, skills and suitability for the job. This is bad news for people like Emily Robertson-Yingst, 57. In April, she was interviewed by an AI named Eve for the position of vice president of product marketing at a software company, in which Emily had to keep her camera on and she could see Eve in a small corner of the screen. Eve asked more than half a dozen questions about Emily and the job. About an hour later, when she asked Eve about the next step in the recruitment process, she could not answer. Regarding this, Emily posted on social media that she was forced to think whether she was just an experiment? She said, 'Was I just used to train the AI ??agent or was there a job?' However, some people described their experience with AI interviewers as good. 21-year-old college student James Gu spoke to a robot interviewer for a summer analyst position through Propel Impact in February. He said that he felt more freedom in talking to the AI ??and the AI ??was also interested in knowing about him. Jennifer Dunn says that she gave nine interviews in the last two months, but about her first machine interview, she said that if given a choice, she would never want to give an interview to AI in the future. She said, 'It seems artificial to me.' AI Guardals These provide ethical protection to the AI ??system. Guardals are such invisible filters, which immediately catch where the AI ??system is about to make a mistake, so that it can be stopped. If AI generates any information or response that violates the prescribed rules - such as hate speech, promoting violence, or giving false information, then Guardals stop it or modify it. Along with increasing the reliability of AI, Guardals also ensure that the AI ??output does not cause any harm to the society.

Jeevan Dhara: Changes do not come just by thinking... If you do not implement it, your ideas will always remain in books

You think of something remarkable, even if it is a very unique idea, but if you do not implement it, it will always remain in your thoughts or in books, not in your list of achievements. Theoretically everything seems impossible until it is done. Similarly, when you think of something remarkable, even if it is a very unique idea, but if you do not implement it, it will always remain in your thoughts or in books, not in your list of achievements. Most people also think in the same way, if they have to climb Everest, they will find it impossible until someone else climbs it once. I strongly believe that for the safety of mankind in the future, we will have to establish colonies on other planets. Even if we do not destroy this earth now, one day this planet will lose its resources. If we want the human race to survive the next 30 billion years, we need more space. We should not put our eggs in one basket, that is, we should not confine our entire species to just one planet. I work very hard on this. As Alice says in Lewis Carroll's book Through the Looking Glass, 'You have to run at full speed to stay in the same place.' This means that the world is changing at a rapid pace, technology, art, and science are moving so fast that we have to work hard to keep up with them. The more I work, the more I feel that more work is needed, because time moves very fast. There comes a time in every person's life when he has to decide to risk his life, his wealth, and his reputation for some result. Those who fail this challenge are simply children grown up physically, and cannot be anything else. Real maturity comes only when we accept these risks and move forward. Remember, no great achievement is possible without struggle. And this is the point from where the journey of true progress begins. A journey that can prove to be transformative not only for the individual but for the entire humanity.

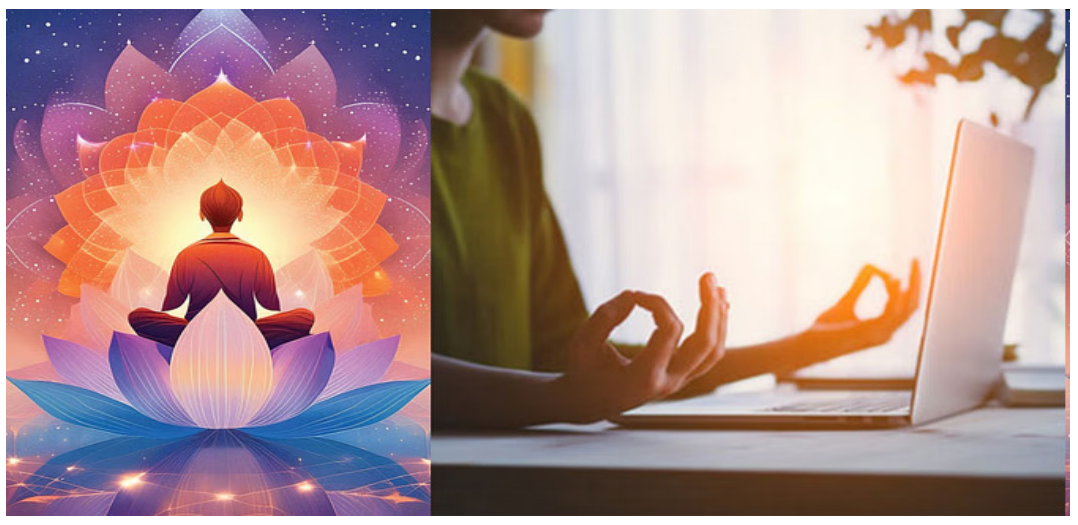

Pathania is no longer alone

Pathania kept fighting alone and is still fighting for his position. Despite all the reasons to give the status of freedom fighter to Wazir Ram Singh Pathania, if even after 78 years of independence this honour has not been achieved, then it is the fault of our veins that we did not recognize the colour of freedom. Well, this time in Himachal Vidhan Sabha, not only did all the members unanimously approve such a proposal, but Himachal also rose high in history in its favour. When the valour of Himachal, the sacrifice of the state, the pride of the state and history of the state came up in the proposal brought by MLA Bhawani Singh Pathania, the timing of the priorities of the House changed. We have written many times in these columns while paying our respects to this warrior that the first trumpet of freedom in India was blown by Wazir Ram Singh. Mangal Pandey is associated with the freedom revolt of 1857, but Wazir Ram Singh Pathania, one of the first storms of freedom under the banner of martyrdom, had invoked it a decade earlier. It is surprising that this Himachali chapter of independence has not been fully revealed. This is also the reason why Himachal is still lagging behind in recognising its heroes and heroism. Universities have increased, but there is no Himachali-ness in research. Politicians have started getting attached to the names of colleges and educational institutions. Are brave soldiers ever invited to the annual functions of schools and colleges? In kavi sammelans, did the language and culture department or the academy ever think of reading two-four pages of history in the memory of the martyrs? Has politics taken over the entire meaning of Himachal's 'coronation'? The history of independence in Himachal shines from Sirmaur, Shimla, Kullu-Mandi, Hamirpur-Bilaspur to Una-Kangra and to every corner. Many moments of sacrifices pass through memories on every saga of valour and every page of folk culture, but we have changed the caravan of concerns. Even today, the heroism of General Zorawar Singh is proven in many corners of the world and in the exploits of India's Sikh and Dogra history. He writes about the expansion of Maharaja Ranjit Singh's empire in the reins of agreements with China. In the leaps of the Dogra Sultanate, he reaches the edge of Tibet. It is surprising that the tomb of the mortal remains of this brave son became a place of worship for the enemy country, but we have not been able to build a memorial till date. While installing a statue of Zorawar Singh in the Shaheed Smarak of Dharamshala, MLA Sudhir Sharma definitely made us feel that when the tunes of the national anthem resonate, the heroes of Himachal should also be revered in the eyes of the nation. Captain Ram Singh had composed the tune of the national anthem from Dharamshala in Himachal, but we could not establish the status of this fame. Former MLA Pt. Sushil Ratna established the State Freedom Fighter Memorial in Dadi of Dharamshala, but the politics divided on lines ruined even such a resolution. Bhawani Singh Pathania has broken a big void in the name of freedom fighters of Himachal, for which he deserves praise, but the education department should also make meaningful efforts to dig into history so that we do not remain dumb.

निर्यातक को दो घंटे बनाया बंधक, फ्रीज खाते से निकाले ढाई करोड़, पत्नी से छेड़छाड़...पिता को पीटा

मुरादाबाद- दिल्ली रोड स्थित निर्यात फर्म में हिस्सेदारी विवाद के बीच आरोपियों ने फ्रीज खाते से ढाई करोड़ रुपये और दूसरी फर्म से 11 लाख रुपये निकाल लिए। विरोध करने पर निर्यातक, उसकी पत्नी और पिता को फैक्टरी में दो घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट की गई। मझोला पुलिस ने छह के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिल्ली रोड स्थित निर्यात फर्म में हिस्सेदारी को लेकर चल रहे विवाद के दौरान एक पक्ष ने फ्रीज खाते से ढाई करोड़ रुपये निकाल लिए। विरोध करने पर फर्म मालिक, उनकी बहू और बेटे के साथ मारपीट कर फैक्टरी में ही दो घंटे तक बंधक बना लिया। आरोप है कि इस बीच बहू के साथ छेड़खानी की गई।इस मामले में मझोला पुलिस ने छह नामजद और अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के रहने वाले निर्यातक ने दर्ज केस में बताया कि दिल्ली रोड स्थित फर्म में वह और उनकी मां 25 फीसदी के पार्टनर हैं। इस फर्म के अन्य हिस्सेदारों में उसके एक चाचा, दो ताऊ के बेटे और एक ताई भी हैं।जबकि एक अन्य फर्म निर्यातक और उनकी पत्नी पार्टनर हैं। आरोप लगाया कि परिवार के अन्य पार्टनर फर्म पर कब्जा कर पूंजी हड़पने में लगे हैं। विवाद के कारण बैंक का खाता फ्रीज हो गया था। इस बीच बैंक से सांठगाठ कर आरोपियों ने 12 और 13 अगस्त को ढाई करोड़ रुपये निकाल लिए। आरोपियों ने दूसरी फर्म के खाते से 11 लाख रुपये निकाल लिए हैं। दो खातों को फिर फ्रीज करा दिया गया है। आरोपियों ने खाते में लेनदेन चालू कराने के लिए निर्यातक, उसकी पत्नी और पिता पर काफी दबाव बनाया। फर्म का लेबर ठेकेदार भी आरोपियों से मिला हुआ है। उसने धमकी दी है कि बाहर की महिलाओं से झूठे केस में फंसा देगा। 11 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे निर्यातक के उसके चाचा, दो तहेरे भाई और लेबर ठेकेदार कुछ बदमाशों को लेकर पहुंच गए। सभी ने निर्यातक, उसकी पत्नी और पिता को घेरकर खाते का लेनदेन चालू कराने का दबाव बनाया। मना करने पर दो घंटे तक फैक्टरी में बंधक बनाकर रखा। किसी तरह वह अपनी पत्नी और पिता के साथ जान बचाकर भाग निकले। भागने के दौरान आरोपियों ने निर्यातक के साथ मारपीट की। उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट और छेड़खानी की गई। धमकी दी कि फैक्टरी छोड़ दो अन्यथा जान से हाथ धोना पड़ेगा। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि छह नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मारपीट, छेड़खानी और धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मुंह में चला गया था मच्छर... जाकिर ने थूका तो फहीम को नगवार गुजरी ये बात; बावर्ची की हत्या में बड़ा खुलासा

मुरादाबाद- अमरोहा पुलिस ने फहीम हत्याकांड का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी जाकिर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि थूकने की घटना को गलत समझने पर हुई कहासुनी में जाकिर ने सूजा उठाकर फहीम के सीने में घोंप दिया था। इससे उसकी मौत हो गई। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। अमरोहा में मामूली बात पर फहीम की हत्या करने वाले जाकिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। फहीम शादियों में खाने बनाने का काम करता था। पुलिस के अनुसार, जाकिर ने जिस समय समय थूका तो फहीम वहां से गुजर रहा था। फहीम को लगा कि जाकिर ने उसे देखकर थूका है। इस पर हुई कहासुनी के बाद जाकिर ने फहीम के सीने में सूजा घोंपकर उसकी हत्या कर दी थी। मोहल्ला चकली निवासी खाना बनाने वाले फहीम की शुक्रवार रात लगभग 9:30 बजे उसके पड़ोसी जाकिर ने सूजा घोंपकर हत्या कर दी थी।परिजनों के मताबिक दोनों पक्षों में रंजिश थी। दोनों के बीच रंजिश करीब दस साल पहले बच्चों के बीच हुए झगड़े के बाद पैदा हुई थी। इसके बाद छोटी-छोटी बातों को लेकर अक्सर दोनों पक्षों में कहासुनी होती रहती थी। फहीम के भाई एजाज ने जाकिर व उसके तीन भाइयों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।रविवार सुबह पुलिस ने मुख्य हत्यारोपी जाकिर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त सूजा भी पास ही नाली से बरामद कर लिया है। पूछताछ में जाकिर ने बताया कि वह चांद सूरज इमामबाड़ा के पास खड़ा था। इसी दौरान उसक मुंह में मच्छर चला गया। इस पर उसने थूका तो अचानक वहां से फहीम गुजर रहा था। फहीम को लगा कि जाकिर ने उसे देख कर थूका है। इस बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया था। फहीम ने उसे गाली दी तो गुस्से में आकर पास ही खड़े अब्दुल वहीद के शिकंजी के ठेले से सूजा उठा कर जाकिर ने फहीम पर हमला कर दिया था। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।हत्यारोपी जाकिर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। सीसीटीवी फुटेज में वह अकेला ही भागता नजर आया है। मामले की जांच कर आगे कार्रवाई की जाएगी। - शक्ति सिंह, सीओ सिटी

संक्षिप्त समाचार

कैसे हुई मंदबुद्धि किशोरी गर्भवती ? गांव के लोग लगा रहे रेप की अटकलें

संभल- थाना असमोली क्षेत्र के एक गांव में मंदबुद्धि किशोरी के गर्भवती होने का मामला सामने आया है। परिजनों को तब जानकारी हुई जब किशोरी को पेट में दर्द की शिकायत हुई। जांच कराने पर उसका गर्भ ठहरना प्रकाश में आया। घटना की जानकारी पुलिस तक नहीं पहुंची है, लेकिन गांव में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। गांव निवासी एक मजदूर की बेटी मानसिक रूप से कमजोर है। इसी का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मानसिक मंदित होने के कारण किशोरी लंबे समय तक चुप रही और किसी को जानकारी नहीं दे सकी। कुछ दिन पूर्व जब उसके पेट में तेज दर्द हुआ तो परिजनों को शक हुआ। अल्ट्रासाउंड कराने पर परिजनों को उसकी गर्भावस्था की जानकारी हुई। परिजन घटना से सदमे में हैं और उन्होंने किशोरी का गर्भपात नहीं कराया है। कहा जा रहा है कि डाक्टर को दिखाया गया था लेकिन उसने ज्यादा समय का गर्भ होने की वजह से गर्भपात से इंकार कर दिया। परिजनों ने फिलहाल उसे रिश्तेदारी में भेज दिया गया है। पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी गई है।

शिक्षिका और छात्राओं से अश्लीलता में प्रधानाचार्य निलंबित, कॉलेज आने पर भी लगा प्रतिबंध

मुरादाबाद- शिव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य को शिक्षिका और छात्राओं से अश्लील हरकतों के आरोप में प्रबंध समिति ने निलंबित कर दिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें जमानत मिल गई थी लेकिन अब कॉलेज आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। समिति ने गगन अग्रवाल को कार्यवाहक प्रधानाचार्य नियुक्त किया। शिक्षिका और छात्राओं से अश्लील हरकतें करने के आरोप में गिरफ्तार शिव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. शलभ भारद्वाज को रविवार को कॉलेज की प्रबंध समिति ने निलंबित कर दिया है। हालांकि, गिरफ्तारी के कुछ समय बाद ही कोर्ट से उन्हें निजी मुचलके पर जमानत मिल गई थी।समिति ने उनके कॉलेज आने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है और गगन अग्रवाल को कार्यवाहक प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी दी गई है। प्रबंध समिति जांच कमेटी गठित कर उनके खिलाफ जांच करेगी। आरोपपत्र जिला विद्यालय निरीक्षक को दाखिल किया जाएगा।कॉलेज परिसर में रविवार दोपहर आयोजित प्रबंध समिति की बैठक में प्रबंधक सुभाष भूषण शर्मा ने पूरा घटनाक्रम रखा। उन्होंने कहा कि कॉलेज की एक शिक्षिका ने डीआईओएस, राज्य महिला आयोग और डीएम को शिकायतीपत्र लिखा था। इसमें उन्होंने प्रधानाचार्य डॉ. भारद्वाज पर उनके व छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया था और कार्रवाई की मांग की थी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने शिकायत को गंभीरता से लिया और जांच के लिए तीन तीन सदस्यीय कमेटी गठित की थी। जांच समिति ने कॉलेज में आकर छात्राओं के बयान दर्ज किए थे। कमेटी ने प्रधानाचार्य पर लगाए आरोपों की पुष्टि करते हुए अपनी रिपोर्ट डीआईओएस को सौंपी थी। इस पर डीआईओएस ने उनको पत्र लिख प्रधानाचार्य के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। रविवार को कॉलेज में हुई बैठक में 15 सदस्यीय समिति के 13 सदस्य उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों समेत 13 सदस्यों ने प्रधानाचार्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने का निर्णय लिया। गगन अग्रवाल बन कार्यवाहक प्रधानाचार्य बैठक में गगन अग्रवाल को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि प्रबंध समिति की अनुमति के बिना प्रधानाचार्य कॉलेज में प्रवेश नहीं करेंगे। निलंबित किए गए प्रधानाचार्य डॉ. शलभ भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई जांच समिति बनाने का निर्णय लिया गया जो उनके खिलाफ की गई शिकायतों की जांच करेगी। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस मौके पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिरुद्ध रस्तोगी, अशोक कुमार शर्मा, मुनीश चंद्र गुप्ता, रमेश चंद्र सक्सेना, भूरे खां आदि मौजूद रहे।

स्थानीय कलाकार उत्तर कुमार गिरफ्तार, अभिनेत्री से दुष्कर्म केस में गाजियाबाद पुलिस ने की कार्रवाई

मुरादाबाद- स्थानीय फिल्म अभिनेता उत्तर कुमार को गाजियाबाद पुलिस ने दुष्कर्म और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीड़ित अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि एलबमों में काम के दौरान उनका शोषण किया गया। देहाती फिल्मों और हरियाणवी एलबमों में काम करने वाले कलाकार उत्तर कुमार ने उसका शारीरिक शोषण किया। मामले में गिरफ्तार किया है। शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित गाजियाबाद पुलिस टीम उन्हें मंडी फार्महाउस से पकड़ा है।जानकारी के मुताबिक पीड़ित अभिनेत्री ने आरोप लगाया है कि 2019 से 2023 तक फिल्मों और एलबमों में काम करने के दौरान उत्तर कुमार ने उसका शारीरिक शोषण किया। साथ ही जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित भी किया।इस मामले में गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस ने उनसे कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया है। लाते वक्त उत्तर कुमार की बिगड़ी तबीयत- मिली जानकारी के मुताबित, उत्तर कुमार को तबियत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फार्म हाउस से लेकर आते वक्त कार में तबियत खराब हो गई थी। इसके बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया। अभी तक की जांच में सामान्य स्थिति है। डीसीपी ट्रांस हिंडन ने इसकी जानकारी दी है। पीड़िता ने लखनऊ जाकर आत्मदाह की कोशिश की थी इस मामले में मुकदमा दर्ज न होने पर पीड़िता ने लखनऊ जाकर आत्मदाह का प्रयास भी किया था। इसके बाद पुलिस ने शालीमार गार्डन थाने में उत्तर कुमार के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के कुछ ही दिन बाद शालीमार गार्डन पुलिस ने मामले की चार्जशीट बनाकर डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील के पास संस्तुति के लिए भेजी थी।

रामपुर में फायरिंग...हंगामा: गुरुद्वारे को लेकर दो पक्ष आमने-सामने, लाठी-डंडे चलने से कई जखमी, इलाके में तनाव

मुरादाबाद- बिलासपुर के पसियापुर गुरुद्वारे को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। कब्जे को लेकर विवाद में मारपीट और फायरिंग में कई लोग घायल हो गए। डीएम और एसपी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पसियापुर स्थित गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह नवाबगंज में सोमवार को जमकर हंगामा हो गया। दो पक्षों के बीच गुरुद्वारे पर कब्जे को नोकझोंक के बाद मारपीट हो गई। आरोप है कि कई राउंड फायरिंग के साथ लाठी-डंडे भी चले। इसमें कई लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार ट्रस्टी सतनाम कौर पक्ष के लोग गुरुद्वारे पहुंचे और वहां पहले से सेवा कर रहे बाबा गुरमीत सिंह पक्ष के लोगों को बाहर करने की कोशिश करने लगे। विरोध होने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान कई राउंड फायरिंग भी हो गई।लाठी-डंडे चलने से निर्मल सिंह, मंगा सिंह, बाबा राम सिंह और गुरमेल सिंह घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम अरुण कुमार, सीओ रविंद्र प्रताप सिंह और कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बाबा गुरमीत सिंह पक्ष के लोगों को गुरुद्वारे के बाहर ही रोक दिया। इस पर उन्होंने विरोध जताते हुए पुलिस-प्रशासन पर दूसरे पक्ष को कब्जा कराने का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने गुरुद्वारे के बाहर धरना देते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलेभर के थानों से पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया है। डीएम और एसपी भी घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर पेट्रोल पंप पर डेरा डाले हुए हैं। पूरे इलाके में तनाव बना हुआ है।

चलती फिरती मौत बनने की कगार पर जुगाड़ के वाहन, हादसों के बावजूद नहीं जागे जिम्मेदार

मुरादाबाद- महानगर और आसपास की सड़कों पर जुगाड़ तकनीक से तैयार अवैध वाहन चलती-फिरती मौत बन गए हैं। मोटरसाइकिल के आगे का हिस्सा काटकर उसके पीछे ट्रॉली जोड़कर बनाए गए और कबाड़ से उठाए ऑटो रिक्शा की मरम्मत का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि हर दिन दुर्घटनाओं कार्रवाई न होने पर सवाल उठा रहे हैं। रविवार को कर उसमें माल भरकर स्टेट हाईवे दिल्ली रोड पर पर फव्वारा चौक पर खड़े ट्रैफिक पुलिस से सामने वहीं कांठ रोड मोटरसाइकिल डिस्कवर का पिछला 50 से अधिक घी के पीपे भर कर सरपट दौड़ा जा हरथला में दोनों स्थानों पर बाइक सवारों की चेकिंग हल्का करते दौड़ रहे बेखौफ चालकों के अंदाज वाहनों पर रोक न लगाने की बात को लेकर रेड कर रहे थे। ये वाहन अक्सर अपनी क्षमता से कई नेशनल हाईवे तक दौड़ते हैं। बिना रजिस्ट्रेशन, पर फर्राटा भरते ये जुगाड़ वाहन किसी भी मानक खराब होकर सड़क के बीचों-बीच खड़े हो जाते हादसों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। जरा से झटके में हो जाते हैं असंतुलित पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें जुगाड़ वाहनों के कारण गंभीर दुर्घटनाएं हुईं। परिवहन विशेषज्ञों के अनुसार, इन वाहनों का डिजाइन असंतुलित होने के कारण जरा से झटके या ब्रेक लगाने पर पलट सकते हैं। इससे न केवल चालक बल्कि आस-पास के वाहन और पैदल यात्री भी खतरे में पड़ जाते हैं नंबर प्लेट, हेलमेट और बिना रजिस्ट्रेशन के हो रहा संचालन मोटरसाइकिल के कटे हिस्सों से बने जुगाड़ वाहन महानगर की सड़कों और हाईवे पर दौड़ रहे। बिना नंबर प्लेट, हेलमेट और रजिस्ट्रेशन के चालक बेखौफ चल रहे हैं। यह स्थिति न केवल ट्रैफिक व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि सड़क सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया है कि सड़कों पर सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने लिए जल्द और कठोर कदम उठाए जाएं। एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद गंगवार ने बताया कि काफी समय ये अभियान चलाया जा रहा है कई बार इस तरह के वाहनों की धरपकड़ जारी है। ऐसे में करूला क्षेत्र में ऐसे वाहनों का संचालन अधिक है तो वहां अभियान चला कर वाहनों को बंद किया जाएगा।

कर भार ढोने के लिए वाहन न सिर्फ यातायात नियमों का खतरा भी बढ़ा रहे हैं। लोग प्रशासन की चुप्पी और कबाड़ से लिए ऑटो रिक्शा को काम भर के लिए ठीक फर्राटा भर रहे वाहन चालक स्टेशन रोड से दिल्ली रोड से निकल गया। किसी ने रोकने की जरूरत नहीं समझी। हिस्सा काट कर पीछे भार ढोने के लिए लगे पटले पर रहा था। जबकि कांठ रोड पर किले के सामने और की जा रही थी। भारी भरकम सामान,नियमों का पालन कुछ और ही इशारा कर रहा था। सामने से गुजर रहे ऐसे लाइट पर खेड़ और वाहन चालक भी आपस में चर्चा गुना अधिक भार लादकर शहर की गलियों से लेकर बिना नंबर प्लेट और बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के सड़कों सुरक्षा नियम का पालन नहीं करते। कई बार ये अचानक हैं, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ जाती है और

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नागरिक सुरक्षा कोर सुभाष नगर पोस्ट द्वारा मासिक बैठक में पूर्व पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नागरिक सुरक्षा कोर की मासिक बैठक, रविवार को रवि अग्रवाल ज्वैलर्स (हिंद सिनेमा के सामने, निकट सीता किरन होटल) सिविल लाइंस बरेली में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि डिविजनल वार्डेन आदरणीय दिनेश यादव जी और अति विशिष्ट अतिथि स्टाफ ऑफिसर आलोक शंखधार जी, एसओ फायर जफर बेग जी व आईसीओ श्रीमती स्वदेश कुमारी जी रहे। विशिष्ट अतिथियों में हमारे पूर्व सम्मानित पदाधिकारी डिप्टी चीफ़ वार्डेन दिनेश कटियार जी, डिप्टी डिवीजनल वार्डेन मोहम्मद उस्मान नियाज़, डिप्टी डिवीजनल वार्डेन रिजर्व अमित पंत, आईसीओ राजेंद्र मोहन गर्ग जी रहे। बैठक की अध्यक्षता पोस्ट वार्डन श्र मनोज कुमार जी व संचालन डिप्टी पोस्ट वार्डेन जय गोपाल अरोरा जी व आयोजक सैक्टर वार्डेन मयूरेश अग्रवाल जी द्वारा किया गया 7 बैठक की कार्यवाही ़ सर्वप्रथम पोस्ट पर नवनियुक्त होकर आए वार्डेन का माला पहना कर स्वागत किया गया। बैठक में मुख्य रूप से आगामी माह में होने वाले सात दिवसीय प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने पोस्ट से कम से कम 12 से 15वार्डनों के नामों को मांगा गया। इसके पश्चात स्टाफ ऑफिसर टु डिविजनल वार्डन आलोक शंखधर द्वारा अक्टूबर और नवंबर माह में होने वाले स्पेशल प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण दो चरणों में होगा,और यह भी कहा कि किसी वार्डन के पास अक्टूबर में प्रशिक्षण हेतु समय नहीं हो वह नवम्बर में कर सकते हैं। बैठक के अंत में विशिष्ट अतिथियों को माला पहना कर, प्रतीक चिन्ह व उपहार देकर पोस्ट द्वारा सम्मानित किया गया। बैठक में आए पूर्व पदाधिकारियों द्वारा सिविल डिफेंस के अनुभव को पोस्ट के साथ साझा किया व सुभाष नगर पोस्ट का मार्गदर्शन किया। बैठक में सुभाष नगर के पोस्ट वार्डेन मनोज कुमार, डिप्टी पोस्ट वार्डेन जय गोपाल अरोरा जी, रानी सिंह, बिंदु सक्सेना, नीरज कुमार, मयूरेश अग्रवाल, गुंजन सिंह, ममता पाल व संदेश वाहक विवेक सक्सेना जी आदि मौजूद रहे , व सैक्टर वार्डेन मयूरेश अग्रवाल जी को सुक्ष्म जलपान हेतु सभी का धन्यवाद किया ।

एसएसपी अनुराग आर्य ने शांति सुरक्षा हित में पांच थाना प्रभारियों का किया बदलाव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने रविवार को पुलिस महकमे में बड़े पैमाने पर बदलाव किए। इस फेरबदल में पांच थानों के इंस्पेक्टर और एक दरोगा की कुर्सी बदल दी गई। अब कई थानों की कमान नए हाथों में होगी। एसएसपी अनुराग आर्य द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार किला थाना प्रभारी रहे सुरेश चंद्र गौतम अब प्रेमनगर थाने के प्रभारी होंगे। इज्जतनगर क्राइम इंस्पेक्टर सुभाष कुमार को किला थाने की कमान सौंपी गई है। रिट सेल और सिंगल विंडो प्रभारी प्रदीप कुमार चतुर्वेदी को अब एएचटी प्रभारी बनाया गया है। सिरौली इंस्पेक्टर जगत सिंह को अलीगंज थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। अलीगंज इंस्पेक्टर रजित राम का ट्रांसफर कर उन्हें क्राइम ब्रांच इन्वेस्टिगेशन विंग भेजा गया है। वहीं विनोद सिंह को सिरौली थाने की कमान दी गई है। त्योहारों के सीजन में पुलिस महकमे में यह फेरबदल अहम माना जा रहा है। लगातार मिल रही शिकायतों और कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए कई थानों पर नए प्रभारी उतारे गए हैं। माना जा रहा है कि एसएसपी ने पूरी रणनीति के तहत यह कदम उठाया है, ताकि जि़ले की शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कदम उठाए गए हैं ।

मुख्यमंत्री ने दिशा पाटनी के पिता से फोन पर की बात, दिया सुरक्षा का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की रात अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी से फोन पर बात की। रिटायर्ड सीओ जगदीश सिंह पाटनी ने बताया कि सीएम योगी ने उनके परिवार को सांत्वना दी। कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश आपके साथ। उनके परिवार की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं होने दी जाएगी। इससे पूर्व सीएम योगी के ओएसडी राजभूषण सिंह ने फोन कॉल कर अभिनेत्री के पिता जगदीश चंद्र पाटनी से बात की। पाटनी ने बताया कि बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आरोपी बच नहीं सकेंगे। उप्र पुलिस उनको पाताल से भी निकाल लाएगी। आपके परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है, आप बिल्कुल निश्चिंत रहें।

प्रदेश ओलंपिक संघ के बने उपाध्यक्ष डीएम अविनाश सिंह ने राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप के संदर्भ में स्मारिका का किया विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष/जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप बालक वर्ग के संदर्भ में प्रकाशित की गई स्मारिका का विमोचन किया गया। इस दौरान प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव यश भारती से सम्मानित डा आनंदेश्वर पांडे और यूपी ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा हनुमान प्रताप सिंह मौजूद रहे,यह प्रतियोगिता अंबेडकरनगर जनपद में गत 20 से 24 अप्रैल को कराई गई थी जिसके आयोजन अध्यक्ष के रूप में वहां के तत्कालीन जिलाधिकारी अविनाश सिंह अब (बरेली के जिलाधिकारी) द्वारा संपन्न कराई गई थी जिसमें पूरे देश से लगभग 700 खिलाड़ी सम्मिलित हुए थे,इस संबंध में कार्यक्रम की सफलता से संबंधित खेल स्मारिका का प्रकाशन किया गया है, जिसका विमोचन उक्त खेल के सूत्रधार जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा बरेली में किया गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने इसलिए अवसर पर कहा कि इस पुस्तिका का खेल जगत में काफी महत्व है आगे प्रतियोगिताएं कराने में इस स्मारिका से काफी सहयोग मिलेगा, आगे भी ऐसी प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। यूपी ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ आनंदेश्वर पांडे ने कहा खेल एक ऐसी विधा है जो सर्वांगीण विकास का परिचायक है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह का खेल और खिलाड़ियों के प्रति समर्पण यह दर्शाता है कि जनपद के खिलाड़ियों को ऊंचाइयां मिलेंगी। स्मारिका को लिपिबद्ध करने वाले यूपी ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा हनुमान प्रताप सिंह ने कहा कि इस स्मारिका में खेल के सभी पहलुओं का समावेश करने का प्रयास किया गया है,विमोचन के बाद अब इसे वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष आशीष गुप्ता सहित आदि लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के संबंध में विभागीय लोगों को जानकारी देने व सक्रिय करने के उदेश्य से डीएम ने की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । मा0 उप मुख्यमंत्री / स्वास्थ्य मंत्री एवं प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा ब्रजेश पाठक के दिये गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आज जीआईसी ऑडिटोरियम में 17 सितंबर से आरम्भ होने वाले स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के संबंध में जानकारी देने व स्वास्थ्य विभाग के समस्त अमले को सक्रिय करने के उद्देश्य बैठक की गयी। इसलिए अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि 17 सितंबर को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी का जन्म दिवस है उनके जन्म दिवस से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जाना है। इसलिए समयावधि में सरकारी क्षेत्र के 488 स्वास्थ्य केंद्रो पर स्वास्थ्य मेलो का आयोजन सर्वजन हिताय के उद्देश्य से किया जाये। उक्त समयावधि में ही पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी का भी जन्मदिवस होगा। उन्होंने का कि आईएमए के प्रतिनिधि से अपेक्षा की कि प्राइवेट स्तर पर संचालित मेडिकल कालेज व हॉस्पिटल भी इसलिए पुण्य कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें और जरूरत मंद लोगों को इलाज मुहैया कराएं। उक्त आयोजन के अंतर्गत समस्त सरकारी चिकित्सालयों एवं निजी चिकित्सालयों में दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के अन्तर्गत जनपद बरेली में निःशुल्क स्वास्थ्य मेले का प्रतिदिन आयोजन किया जायेगा। दिनांक 17 सितम्बर, 2025 एवं 01 अक्टूबर, 2025 को जिला चिकित्सालय, बरेली में ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जिसमें जनपद के माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा दिनांक 17 सितम्बर, 2025 को समस्त सामु0/प्रा0स्वा0/नगरीय प्रा0स्वा0 केन्द्रों शुभारम्भ किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विश्राम सिंह ने बताया कि जनपद बरेली में 16 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 26 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 355 आयुष्मान आरोग्य मन्दिर एवं 36 शहरी आरोग्य मन्दिरों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा। उक्त स्वास्थ्य शिविरो में कुल 488 केन्द्रों में चिकित्सक एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिलाओं में गैर-संचारी रोगों (जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) की गहन जांच की जाएगी। संवेदनशील महिलाओं की क्षय रोग (टीबी) की जांच तथा निःक्षय मित्र योजना में नामांकन किया जायेगा। किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की स्क्रीनिंग की जाएगी।सिकल सेल रोग की जांच, परामर्श कार्ड, वितरण एवं विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं के लिये परामर्श सेवायें प्रदान की जाएगी। गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच (एन0एन0सी0) हीमोग्लोबिन परीक्षण, पोषण संबधी परामर्श तथा मदर एंड चाइल्ड प्रोटेक्शन (एम0सी0पी0) कार्ड का वितरण भी किया जायेगा।बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं हेतु निःशुक्ल टीकाकरण सेवायें प्रदान की जाएंगी। मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।तेल एवं चीनी का उपयोग कम करने हेतु विशेष अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जायेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय व स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से पोषण संवर्धन के अन्तर्गत पोषण आहार, अन्नप्राशन एवं आहार संबधी परामर्श दिये जायेंगे। रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जायेगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (क्करू-छ्ठ्ठ्) अन्तर्गत लाभार्थियों का पंजीकरण तथा क्करू-छ्ठ्ठ् ई-कार्ड एवं आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (क्क्ञ्) कार्ड का वितरण भी किया जायेगा। इसलिए अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 राकेश कुमार एवं डा0 अमित कुमार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लईक अहमद अंसारी,वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डा0 अजमेर सिंह एवं टी0एस0यू0अरूण पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा जिला सूचना अधिकारी मौजूद रहीं ।

हिंदी दिवस पर बरेली में देशभर के कवियों ने बिखेरी साहित्यिक छटा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हिंदी दिवस के अवसर पर रविवार को शहर में कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। प्रकाश कॉन्टिनेंटल में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से आए ख्यातिप्राप्त कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों की ओजपूर्ण वाणी और सृजनात्मक प्रस्तुतियों से पूरा सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। स्वागत भाषण में आयोजकों ने हिंदी को केवल भाषा ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा बताया। कवि सम्मेलन में वीर रस, हास्य, श्रृंगार और सामाजिक विषयों पर केंद्रित कविताओं ने श्रोताओं को गहराई से जोड़ा। दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, कानपुर और अन्य नगरों से आए कवियों ने हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा को मंच पर साकार किया। युवा कवियों की ताजगी भरी रचनाओं से लेकर वरिष्ठ कवियों के अनुभवसिद्ध शब्दों तक, हर प्रस्तुति ने हिंदी भाषा की व्यापकता और जीवन्तता को उजागर किया। श्रोताओं ने भी पूरे उत्साह और जोश के साथ कविताओं का आनंद लिया। हास्य कविताओं पर सभागार ठहाकों से गूंज उठा तो वहीं ओजपूर्ण कविताओं ने देशभक्ति की भावना को प्रखर किया। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय शायरा आरफा शबनम, कमल कांत तिवारी, डॉ. हिलाल बदायुनी, खलील गुमनाम, गौरव चौहान, उपमेन्द्र सक्सेना, उन्नति राधा शर्मा, आलोक यादव, गीतकार राधेश्याम मिश्र, उमेश अद्भुत, डॉ. मुकेश गीत, सत्यपाल सिंह सजग, सत्येन्द्र द्विवेदी, किरण प्रजापति दिलवारी, रामस्तन यादव, अभिषेक अधिक, अमित मनोज और अनुज कपूर सहित अनेक कवियों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। आयोजकों ने कहा कि हिंदी दिवस पर इस तरह के आयोजन न केवल भाषा के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं बल्कि नई पीढ़ी को साहित्य की ओर प्रेरित करने का भी माध्यम हैं। अंत में सभी कवियों को सम्मानित किया गया और हिंदी को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में आईएमए अध्यक्ष विनोद पागरानी, उपजा प्रेस क्लब अध्यक्ष पवन सक्सेना, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अध्यक्ष सिटिल गुप्ता, आयोग सदस्य उमेश कठेरिया, साहित्यकार राजेश कुमार, सौरभ अग्रवाल,डॉ. अल्पना दीक्षित , उपजा प्रेस क्लब सचिव धीरू यादव,शिव स्वरूप पटेल, मोहित ठाकुर, अनुराग सक्सेना, अंश सिंह, तुषार शर्मा, विश्वनाथ चौधरी,राशिद, फैसल सकलैनी,वसीम,सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

फर्जी एयरलाइन कम्पनी का झांसा देकर चार युवतियों से कराया प्रशिक्षण सैलरी मांगने पर हुआ बवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । नौकरी की तलाश में जुटी चार युवतियां फर्जी एयरलाइन कम्पनी के झांसे में आ गई कम्पनी ने पहले इंटरव्यू लिया, फिर सात दिन तक काम कराया, लेकिन जब युवतियों ने अपनी सैलरी मांगी तो कम्पनी के लोगों ने देने से साफ इनकार कर दिया। ठगी की आशंका होने पर पीड़ित युवतियां थाने पहुंचीं और तहरीर दी। बारादरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस चौपुला निवासी सिमरन ने बताया कि वह बीबीए की छात्रा है। कुछ दिन पहले उसके व्हाट्सएप नंबर पर एक लिंक आया, जिसमें ढ्ढठ्ठस्त्रद्बद्दश्च द्बह्यद्बठ्ठद्द- द्बह्स्श्वशह्ल्ह ष्टश्वद्बश्चड्डठ्ठ4 के नाम से नौकरी का ऑफर था। कम्पनी ने 12 हजार रुपये महीने की सैलरी और इंटरव्यू के बाद सात दिन का प्रशिक्षण देने की बात कही। सिमरन अपनी सहेली रोशनी को लेकर इंटरव्यू देने गई। वहीं दो और युवतियां सालौनी और मुस्कान भी प्रशिक्षण ले रही थीं। कम्पनी की ओर से खुद को एचआर सीनियर बताने वाली सुकन्या मौर्या नामक महिला ने उनका इंटरव्यू लिया। उसने उन्हें दो बैंक खाते भी दिए। आरोप है कि प्रशिक्षण के दौरान युवतियों से कहा गया कि वे लोगों को कॉल करके पैसे डलवाने का काम करें। सात दिन बाद जब युवतियों को लगा कि यह कम्पनी धोखाधड़ी कर रही है तो उन्होंने अपनी सैलरी मांगी। इस पर कम्पनी ने पैसे देने से इनकार कर दिया। पीड़ित युवतियां अब थाना बारादरी पहुंचीं और पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित युवतियों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

विधुत विभाग के संविदाकर्मियों द्वारा बिजली बिल के लिए महिलाओं से की गई अभद्रता को लेकर पीड़ित ने आलाअधिकारियों से की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / विधुत विभाग के संविदाकर्मियों द्वारा बिजली बिल को लेकर घर में घुसकर महिला से अभद्रता करने और लाइट काटने का मामला सामने आया है। अमरिया कस्बा निवासी वीरेन्दर कुमार गंगवार ने जिले के आला अधिकारियों से शिकायत कर विधुतकर्मियों पर कार्यवाही की मांग की। पीड़ित ने जिलाधिकारी पीलीभीत, एक्सई इन एवं अधिशासी अभियंता को दिये शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि 9 सितंबर को जब वीरेन्दर घर पर नही थे। तब विधुत उपखंड अमरिया के कुछ कर्मचारियों अखलेश पंडित पुत्र रामचंद्र, राजीव पुत्र रामकिशन, सुखलाल और इंद्रपाल ने वीरेन्दर के घर पहुँच कर घर की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया और उनके घर की लाइट काट दी। जबकि उनके घर का मीटर पिछले आठ महीनों से खराब था, जिसके लिए वीरेन्दर ने एक शिकायती प्रार्थना पत्र विधुत अधिशासी अभियंता अमरिया को दिया था। वीरेन्दर कुमार गंगवार ने बताया की उनके कस्बा अमरिया में दो घर है। जिसमें उनके घर का मीटर 15 दिन पहले बदला गया है। जब उन्होंने विधुतकर्मियों से मीटर बदलने की रशीद की मांग की तो उन्हें अब तक मीटर की रशीद नहीं दी गई। जबकि उनके दुसरे मीटर का बिल पिछले 5 महीनों से नहीं निकला है। उपरोक्त विधुतकर्मियों ने उनके घर में जबरन घुसकर घर की महिलाओं के साथ अभद्रता कर उनके घर की बिजली काट दी। वीरेन्दर ने बताया की अखलेश पंडित ने उनकी पत्नी से रुपयों की मांग की।

डग्गामार वाहनों के विरुद्ध चलाया जा रहा विशेष अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पुलिस अधीक्षक महोदय पीलीभीत के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा डग्गामार वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सड़क पर अवैध रूप से संचालित, अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले तथा नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के विरुद्ध चेकिंग कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। यातायात पुलिस टीम द्वारा जनपद के प्रमुख मार्गों, बस अड्डों व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिक्रमण हटवाते हुए विशेष चेकिंग अभियान में 16 डग्गामार वाहनों सहित 143 वाहनों के चालान करते हुए कुल 1,87,500/- शमन शुल्क अधिरोपित किया गया साथ ही यातायात पुलिस द्वारा जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया है।

सपा नेता राजकुमार राजू ने की पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए 25000 रूपये कि आर्थिक सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम / पूरनपुर- समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए हैं आज उन्होंने समाजवादी पार्टी के सिख नेता मास्टर गुरूदयाल सिंह एवं अन्य पार्टी नेताओं के साथ ब्लाक रोड स्तिथ गुरूद्वारा सिंह सभा पहुँचकर प्रबंध समिति के बलजीत सिंह खैरा,रंजीत सिंह आदि को 25000 रूपए आर्थिक सहायता कि राशि सौपी इस दौरान उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी हर संभव मदद करेगी पंजाब में आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। हमारी पार्टी बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास करेगी मैने 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है, जो बाढ़ पीड़ितों को राहत प्रदान करेगी यह सहायता बाढ़ पीड़ितों को राहत प्रदान करेगी और उनके जीवन को पटरी पर लाने में मदद करेगी ये मदद आगे भी जारी रहेगी समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव जी एवं अन्य नेताओं ने कहा कि पार्टी बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी हर संभव मदद करेगी इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व चेयरमैन चीनी मिल नूर मोहम्मद,पूर्व प्रधान ,आदर्श पाण्डेय,बसत भारती,विधासागर शुक्ला आदि उपस्तिथ रहें।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत गांधी सभागार, पीलीभीत में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 25 (गांधी जयन्ती तक) ‘‘ स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान‘‘ के विषय पर जनपद स्तरीय अर्न्तविभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गयी। जिसमें जनपद स्तर से मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रधानाचार्य, स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय पीलीभीतं, प्रधानाचार्य, ललित हरि आयुर्वेदिक कालेज , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (पुरूष/महिला चिकित्सालय, पीलीभीत) जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, आई0सी0डी0एस0, जिला पंचायत राज अधिकारी, क्षेत्रीय यूनानी अधिकारी, रेडक्रास सोसायटी के प्रतिनिधि एवं जनपद के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। उक्त बैठक में दिनांक 17 सितम्बर 2025 को जिला चिकित्सालय पीलीभीत में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा एवं सभी सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 एवं आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा अभियान के शुभारम्भ का सजीव प्रसारण माननीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। दिनांक 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 (गांधी जयन्ती तक) ‘‘स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान‘‘ के अन्तर्गत प्रतिदिन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर सी0एच0ओ0 द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। ब्लाक स्तर के चिकित्सा इकाईयों पर स्वास्थ्य शिविर के अन्तर्गत विभिन्न बीमारियों के परीक्षण हेतु विभिन्न स्टाल जैसे मातृत्व स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण गैर संक्रामक रोगों का परीक्षण, नाक, कान गला एवं टी0वी0, पोषण से सम्बन्धित, परिवार नियोजन, मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्त जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त कैंसर का परीक्षण विशेषज्ञों के द्वारा किया जाएगा। उक्त शिविरों में पात्र लाभार्थियों का गोल्डन कार्ड बनाया जाएगा, इसके साथ ही आभा आई0डी0 भी बनायी जाएगी।

जिलाधिकारी द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी, आई0सी0डी0एस0 को निर्देशित किया गया कि पोषण माह का आयोजन उक्त शिविरों में किया जाए एवं जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी बच्चों एवं शिक्षकों की ब्लड ग्रुप हेतु जांच कराकर रिकार्ड भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि उक्त शिविरों में एलोपैथिक के साथ यूनानी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक के साथ साथ अन्य विधा के विशेषज्ञ चिकित्सक भी शिविर में रहकर चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार देगें।

पीलीभीत में बाढ़ प्रभावित गांवों का सपा नेताओं ने किया दौरा, लोगों को बांटी राहत सामग्री।

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम / पीलीभीत, उत्तर प्रदेश- पिछले दिनों पहाड़ों और मैदानी इलाकों में भारी बारिश के कारण शारदा नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया था, जिससे ट्रांस शारदा क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया। इससे ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बाढ़ की स्थिति और व्यापक नुकसान को देखते हुए, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी सक्रिय है इसी क्रम में समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने अपनी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरनपुर तहसील के अंतर्गत आने वाले ट्रांस शारदा क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त गांवों का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द से जल्द उनके समाधान का आश्वासन दिया। रविवार को, जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा और युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने हजारा गांव में राकेश यादव के निवास पर हजारा और शास्त्रीनगर गांव के बाढ़ पीड़ितों के बीच आवश्यक राशन सामग्री का वितरण किया? जा रहा है जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि वे जल्द ही अधिकारियों से मिलकर नुकसान का सर्वे कराने और प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग करेंगे। जग्गा ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में सपा की सरकार बनती है, तो बाढ़ और भू-कटान की समस्या से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय जरूरतमंदों की मदद करना हर किसी का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि संगठन के सहयोग से बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, और समाजवादी पार्टी लगातार इस दिशा में काम कर रही है। सपा नेताओं के इस प्रयास के लिए ग्रामीणों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौके पर मौजूद थे।

कांधला की मेहमाननवाज़ी से विदेशी सैलानी हुए मंत्रमुग्ध

गन्ने के खेतों में उठाया लुत्फ, समोसे खाकर कहा ये अनुभव जिंदगी भर याद रहेगा

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता / कांधला शामली कस्बा कांधला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसकी मिट्टी सिर्फ अपनापन ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मेहमाननवाज़ी की असली झलक भी समेटे हुए है। जब रूस से आए विदेशी सैलानियों का दल यहां पहुँचा, तो पूरे कस्बे का माहौल उत्सव जैसा हो गया। कस्बे के लोगों की सादगी, प्रेम और मेहमाननवाज़ी से प्रभावित होकर मेहमानों ने खुले दिल से कांधला की तारीफ़ की।टीचर कॉलोनी निवासी मोहित कुमार पुत्र राकेश कुमार के घर पहुँचे विदेशी मेहमानों - रेनाटा, जडेनेक, मिलान, कैटरीना, हेलेना, मागांडा, रोमन और जार्का का कस्बेवासियों ने दिल खोलकर स्वागत किया। यह सभी 3 सितम्बर से भारत भ्रमण पर निकले हुए हैं। लेह-लद्दाख और ऋषिकेश घूमने के बाद वे कांधला पहुँचे, जहाँ की मिट्टी की खुशबू और लोगों का अपनापन उन्हें गहराई तक छू गया।

जैसे ही सैलानियों ने गन्ना खाने की इच्छा जताई, मोहित कुमार उन्हें लेकर सीधे हरे-भरे खेतों में पहुँचे। रसदार गन्ने का स्वाद लेते ही उनके चेहरे खिल उठे। खेतों में हंसी-ठहाकों और मस्ती का माहौल ऐसा बना कि मानो कोई उत्सव हो रहा हो। सैलानियों ने कहा गन्ने के खेत का यह अनुभव हमारी जिंदगी का सबसे रोमांचक पल है। समोसों ने जीत लिया दिल खेतों से निकलने के बाद विदेशी मेहमान पहुँचे कस्बे की पहचान 'ठाकुर समोसे वाले' की दुकान पर। यहाँ गरमा-गरम, चटपटे समोसों का स्वाद चखते हुए उन्होंने जमकर फोटो खिंचवाई और कहा कहीं ऐसा स्वाद नहीं मिला।सिर्फ खेत और समोसे ही नहीं, बल्कि मेहमानों ने कस्बे की आध्यात्मिक पहचान को भी नजदीक से महसूस किया। उन्होंने श्री शीतला माता मंदिर, श्री सूरजकुंड मंदिर, श्री मनकामेश्वर महादेव और श्री दुर्गा मंदिर में दर्शन किए। वहां की आस्था और श्रद्धा देखकर वे भावुक हो उठे गंगा घाट पर बिताए सुकून भरे पल विदेशी दल का काफिला बाद में गंगा आरती घाट पहुँचा, जहाँ उन्होंने कुछ समय भक्ति और शांति के वातावरण में बिताया। घाट की भव्यता ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया।16 सितम्बर को होंगे अपने देश रवाना विदेशी मेहमान कांधला से रवाना होकर आगरा की ओर निकल गए, जहाँ वे ताजमहल का दीदार करेंगे। इसके बाद 16 सितम्बर को वे अपने देश रूस लौट जाएंगे। मोहित कुमार ने बताया कि उनके विदेशी दोस्तों को कांधला का माहौल बेहद अच्छा लगा। उन्होंने कहा गन्ने के खेत और कांधला की मेहमाननवाज़ी हमें जिंदगी भर याद रहेगी।

महिला अस्पताल में नवजात का शव उठा ले गया आवारा कुत्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत के जिला महिला अस्पताल के पार्क में एक नवजात शिशु का शव एक आवारा कुत्ते ने उस समय उठा लिया जब उसके पिता और दादा पार्क की बेंच पर सो रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्ते का लगभग 100 मीटर तक पीछा किया, जिसके बाद वह शव को वहीं छोड़कर भाग गया। हालाँकि, इस घटना ने अस्पताल परिसर में आवारा कुत्तों की मौजूदगी को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव सराय सुंदर निवासी रेशमा पत्नी अजय ने गुरुवार शाम मृत बेटे को जन्म दिया। जिसके बाद डॉक्टर ने नवजात का शव स्वजनों को सौंप दिया। जिसे घर नहीं ले जाकर जाकर अस्पताल के पार्क में आराम करने लगे। थकान के कारण परिजनों को झपकी आ गई। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता बेंच पर रखे नवजात के शव को उठाकर भाग गया। जब परिजनों की नींद खुली तो हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोग कुत्ते का पीछा करने लगे। करीब 100 मीटर दूर कुत्ता शव को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि ज़रूरी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद शव को बच्चे के पिता, पीलीभीत सदर तहसील क्षेत्र के खाग सराय गाँव निवासी अजय कुमार को सौंप दिया गया है। माँ रेशमा देवी को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। सीएमएस ने कहा, 卐जब शव आधिकारिक तौर पर उनकी देखरेख में दिया गया था, तो परिवार के सदस्यों का यह मुख्य कर्तव्य था कि वे उसकी देखभाल करें। परिजनों ने अस्पताल परिसर से आवारा कुत्तों को दूर रखने में उदासीनता बरतने के लिए अस्पताल प्रबंधन की आलोचना की। हालाँकि, सीएमएस ने कहा कि आवारा कुत्तों की मौजूदगी का कारण यह है कि भर्ती मरीजों की देखभाल करने वाले लोग पार्क में भोजन के समय उन्हें खाना खिलाते हैं। उन्होंने कहा, 卐इस नियमित व्यवहार ने आवारा कुत्तों को भोजन की आस में परिसर में रहने की आदत डाल दी है।卐 सीएमएस ने कहा कि जल्द ही एक जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें देखभाल करने वालों से अनुरोध किया जाएगा कि वे आवारा कुत्तों को कोई खाद्य सामग्री न दें। पीलीभीत के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने मामले में सीएमएस से स्पष्टीकरण मांगा है और तीन दिन की समय-सीमा तय की है। सीएमओ ने बताया, 卐पीलीभीत नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को भी पत्र लिखकर परिसर से आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलाने और इसे हर 15 दिन में नियमित रूप से चलाने के लिए कहा गया है। यह घटना अस्पताल प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है। प्रसूता और परिजनों को उचित सुविधाएं नहीं दी गईं। शव को सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, मेडिकल कॉलेज परिसर में लंबे समय से आवारा कुत्तों की समस्या बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

लखीमपुर खीरी में शारदा का कहर: गांव की सड़क समेत चार और मकान नदी में समाए, 70 से अधिक परिवार हुए बेघर

लखीमपुर खीरी जिले के ग्रंट नंबर-12 गांव में शारदा नदी ने ऐसी तबाही मचाही, जिससे 70 से अधिक परिवार बेघर हो गए है। इनके घर नदी में समा गए हैं। अब नदी की धारा बीच गांव में बह रही है। लखीमपुर खीरी जिले में शारदा नदी का कटान थमने का नाम नहीं ले रहा। कटान से ग्रंट नंबर-12 गांव के 70 से अधिक मकान नदी में समा चुके हैं। सोमवार को गांव के बीचों-बीच बनी इंटरलॉक सड़क भी नदी में समा गई। सड़क के दोनों ओर पक्के मकान थे। एक तरफ का पूरा हिस्सा पहले ही नदी में बह चुका है। अब दूसरी ओर भी खतरा मंडरा रहा है। नदी में लटकी सड़क को देखकर ग्रामीण सहमे हुए हैं।सोमवार सुबह कटान तेज हुआ तो गांव की श्यामकली, अर्चना, कन्यादेवी और रोशन के पक्के मकान पलक झपकते ही नदी की धारा में समा गए। मकान ढहने से पहले ही ग्रामीणों ने गृहस्थी का सामान निकाल लिया। अब वह सड़क किनारे डेरा डालकर रहने को मजबूर हैं। कटान पीड़ितों का कहना है कि शारदा अब विकराल रूप ले चुकी है। वहीं क्षेत्रीय लेखपाल श्याम नन्दन मिश्रा ने बताया कि कटान की जद में आने वाले सभी से घरों को खाली करने के लिए सचेत किया जा चुका है।सड़क किनारे रहने को मजबूर पीड़ित श्यामकली ने बताया कि कुछ दिन पहले कटान थमा तो उम्मीद जगी थी, लेकिन सोमवार सुबह अचानक मकान ध्वस्त हो गया। वहीं, कन्यादेवी ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों के साथ सड़क पर गुजार कर रहे हैं। सुबह घर देखने गईं तो आधा मकान कट चुका था, थोड़ी देर बाद शेष हिस्सा भी नदी में बह गया। आधा गांव नदी में समाया ग्रामीणों के मुताबिक अब तक गांव के करीब 72 मकान शारदा की धारा में समा चुके हैं। हालात यह हैं कि अब तक आधा गांव नदी में समा चुका है। जहां पहले मकान थे, वहां अब नदी की धारा बह रही है। गांव के बचे मकानों पर भी कटान से खतरा मंडरा रहा है। तहसीलदार मुकेश वर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय लेखपाल को गांव में तैनात किया गया है। कटान पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है

राम मंदिर ट्रस्ट के नए सदस्य ने संभाला कामकाज, महासचिव चंपत राय ने सौंपा नियुक्ति पत्र

राम मंदिर के नवनियुक्त ट्रस्टी को महासचिव चंपत राय ने नियुक्ति पत्र सौंपा। नौ सितंबर को अयोध्या में हुई ट्रस्ट की बैठक में उन्हें सदस्य के रूप में शामिल किया गया था।राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के नवनियुक्त सदस्य कृष्ण मोहन सोमवार को अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले रामलला का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद वह हनुमानगढ़ी गए, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर अपनी श्रद्धा अर्पित की। ट्रस्ट की ओर से कृष्ण मोहन को राम दरबार परिसर में नियुक्ति पत्र सौंपा गया। उन्हें यह दायित्व ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने प्रदान किया।बीते नौ सितंबर को अयोध्या में हुई ट्रस्ट की बैठक में उन्हें सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। कृष्ण मोहन हरदोई के निवासी हैं और दिवंगत ट्रस्ट सदस्य कामेश्वर चौपाल के ही समाज से आते हैं। मीडिया से बातचीत में कृष्ण मोहन ने कहा कि वह राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और राम दरबार की स्थापना में अपने पूरे परिवार के साथ यजमान के रूप में शामिल हुए थे।उन्होंने कहा कि ट्रस्ट उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगा, वह उसका शत-प्रतिशत निर्वहन करेंगे। कृष्ण मोहन ने कहा कि राम मंदिर का संघर्ष काल बहुत लंबा रहा है। इस दौरान कई लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। आज जब राम मंदिर भव्य स्वरूप में खड़ा है, तो यह सभी श्रद्धालुओं के लिए गर्व का विषय है। बावन मंदिर में उनका सम्मान हुआ और संतों ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

सदर विधायक गौरीशंकर की पहल से गरीबों को मिली राहत, मुख्यमंत्री विवेकानंद कोष से 41.37 लाख की सहायता

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ इलाज के अभाव में अब किसी गरीब की साँसें थमने नहीं पाएँगी। सदर क्षेत्र के विधायक गौरीशंकर ने आमजन की तकलीफ़ों को समझते हुए बड़ी पहल की है। उनके प्रयासों से मुख्यमंत्री विवेकानंद सहायता कोष से क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों के लिए ?41,37,500 (इकतालीस लाख सैंतीस हज़ार पाँच सौ रुपये) की धनराशि स्वीकृत की गई है। अक्सर देखा गया है कि आर्थिक तंगी के कारण गरीब परिवार अपने बीमार परिजनों का सही इलाज नहीं करा पाते और बड़ी मुश्किलों का सामना करते हैं। विधायक गौरीशंकर ने कहा कि मेरी कोशिश है कि क्षेत्र का कोई भी नागरिक केवल पैसे की कमी के कारण अपने जीवन से हार न माने। मुख्यमंत्री जी का यह कोष उन परिवारों के लिए संजीवनी साबित होगा जिनके पास इलाज के लिए साधन नहीं हैं। इस पहल से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि अब उन्हें अपने मरीजों के इलाज के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा। लोगों ने इस सहायता को क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात और जीवनदायिनी कदम बताया।

मोहल्ला आराजी लेन में ऐआई एम आई एम पार्टी की नुक्कड़ सभा आयोजित

आधा दर्जन लोगों ने पार्टी की सदस्य ता ग्रहण की

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / इस समय पार्टी में बड़ी संख्या में सभी वर्गों के लोग जुड़ रहे है डा संजीव निरंजन पार्टी में पिछड़ों अगड़ों और दलितों का पूरा सम्मान है चिराग हुसैन पार्टी में युवा बड़ी संख्या में आ रहे है कोंच(जालौन) आज ए के यूपी प्रदेश अध्यक्ष खंड अध्यक्ष सादिक अली नगर के मोहल्ला आराजी मे पार्टी की एक नुक्कड़ गया युवा इस कार्यक्रम में के पार्टी महासचिव इमरान जिलाध्यक्ष जालौन चिराग संगठन मंत्री डाक्टर संजीव

इमरान रजा आई एम आई एम पार्टी शौकत अली साहब बुंदेल साहब के आदेश अनुसार लाइन वार्ड नंबर पच्चीस सभा का आयोजन किया पार्टी के युवा बुंदेलखंड रजा कुरैशी युवा हुसैन पार्टी के जिला निरंजन जिला उपाध्यक्ष अयाज मामू युवा शोएब काजी आदि मंचस्थ रहे जिसमें युवा जिलाध्यक्ष चिराग हुसैन ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया है जिसमें युवा जिला सचिव अरमान कुरैशी को वार्ड अध्यक्ष बनाया है फरमान कुरैशी वार्ड उपाध्यक्ष ताहिर कुरैशी की जिम्मे दारी दी है और वार्ड महासचिव के रूप में अशलम कुरैशी नियुक्त किये गये है जिसमें मौजूद बुंदेल खंड महासचिव इमरान रज़ा युवा जिला संगठन मंत्री डॉ संजीव निरंजन जिला उपाध्यक्ष अयाज मामू युवा जिला महासचिव सोऐब काज़ी नगर उपाध्यक्ष सलमान कुरैशी नगर सचिव अल्ताफ कुरैशी मीडिया प्रभारी पत्रकार इमरान खलीफा की मौजूद गी इलाके के आधा दर्जन लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की इस अवसर पर पार्टी में आये लोगो का माला पहना कर स्वागत कर इस्तकबाल किया गया इस अवसर पर महासचिव इमरान रजा कुरैशी ने कहा कि पार्टी में युवा बड़ी संख्या में आ रहे है जिला संगठन मंत्री डाक्टर संजीव निरंजन ने कहा कि पार्टी में इस समय बड़ी तादाद में सभी वर्गों के लोग जुड़ रहे है पार्टी में शामिल हो रहे है जिलाध्यक्ष चिराग हुसैन ने कहा कि पार्टी में पिछड़े अगड़ों और दलितों का पूरा सम्मान दिया जा रहा है और पार्टी में जोड़ने का काम किया जा रहा है उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पार्टी की मजबूती के लिये कार्य करने को कहा है इस अवसर पर तमाम पार्टी से जुड़े लोग मौजूद रहे

कोंच एसडीएम ज्योति सिंह को सम्मानित किया गया

एसडीएम ज्योति सिंह ने जनहित में अच्छा कार्य कर रही है ई राजीव रेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / समस्याओं के प्रति काफी गंभीर है एसडीएम ज्योति सिंह राम शंकर छानी कोंच(जालौन) कोंच नगर में सफलता के एक वर्ष पूर्ण करने पर एसडीएम कोंच ज्योति सिंह को आज उनके कार्यालय पर स्व राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर ई राजीव रेजा और इस ट्रस्ट के सदस्य शिक्षक राम शंकर छानी ने उन्हें भगवान श्री गणेश की पट्टिका एवं सम्मान पत्र तथा एक वृक्ष भेंट कर सम्मानित किया और उनके कार्यकाल की सराहना की और कहा कि वास्तव जब से एसडीएम ज्योति सिंह ने कार्यभार संभाला है कोंच में आम जनता को काफी राहत मिली है और जनता की समस्या ओं का उन्होंने त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण कर न्याय दिलाया है आज कोंच में समस्या विहीन कर दिया उन्होंने कहा कि एसडीएम ज्योति सिंह ने कोंच नगर क्षेत्र के लोगों को सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति को दिलाने का कार्य किया है आज अपात्र लोग योजना ओ से बाहर है नगर क्षेत्र की जनता एसडीएम ज्योति जी के कार्यप्रणाली से काफी हद तक संतुष्ट है और उनके अच्छे कार्यों की सराहना कर रही है

सशस्त्र सीमा बल द्वारा कलेक्ट्रेट भिनगा के सभागार में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के सभागार में हिंदी पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी द्वारा की गई। अपने संबोधन में कमांडेंट ने कहा कि हिंदी केवल हमारी राजभाषा ही नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, पहचान और एकता की भी प्रतीक है। सरकारी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता बढ़ती है, बल्कि हम अपनी मातृभाषा के संवर्धन और संरक्षण में भी योगदान देते हैं। यह पखवाड़ा 14 सितम्बर से 29 सितम्बर 2025 तक मनाया जाएगा, जिसके अंतर्गत निबंध लेखन, वाद-विवाद, हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोष प्रतियोगिता तथा अन्य विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य कार्मिकों में हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और राजभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर पीयूष सिन्हा, उप कमांडेंट, गोबर्धन पुजारी, उप कमांडेंट, अमित कुमार सहायक कमांडेंट,अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने हिंदी पखवाड़े को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कलेक्टर श्री चौधरी ने अंतर-विभागीय बैठक में लंबित शिकायतों के निराकरण पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / जिले को ए श्रेणी में लाने हेतु कलेक्टर ने दिए विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश बैठक में खाद वितरण, सीएम हेल्पलाइन एवं सेवा पखवाड़ा पर हुई गहन समीक्षा शिवपुरी, कलेक्टर रवीन?द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आज जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में अंतर-विभागीय समन्वय बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के मुख?य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, अपर कलेक?टर दिनेश चंद्र शुक?ला, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत, संयुक?त कलेक?टर, डिप्टी कलेक्टर एवं अन?य जिला अधिकारी उपस्थित हुए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि टीएल बैठक में बिना कारण अनुपस्थित रहने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ईई पीडब्ल्यूडी को अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएचई, ऊर्जा, पंचायत एवं स्वास्थ्य विभाग को लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जिला शीघ्र ही ए श्रेणी में शामिल हो सके। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण, फंड उपलब्धता एवं मांग के अनुसार सहकारी समितियों को खाद वितरण, तथा रबी सीजन में खाद एवं बीज उपलब्ध कराने हेतु टीम गठित करने पर जोर दिया गया। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग को भी लंबित प्रकरणों का निराकरण कर बी ग्रेड से ए ग्रेड में आने के लिए प्रयास करने को कहा गया। कलेक्टर ने नगर पालिका शिवपुरी की कचरा गाड़ियों की स्थिति पर चर्चा करते हुए उनकी बार-बार खराबी की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग को लंबित शिकायतों पर प्रतिदिन की जा रही कार्यवाही से अवगत कराने और खाद विभाग को हितग्राहियों को ई-केवाईसी पूर्ण होने पर नजदीकी किसी भी उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा की जानकारी देने के निर्देश दिए। खाद्यान्न परिवहन में देरी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए। बैठक में आगामी सेवा पखवाड़ा (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर) की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवधि में जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों पर रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे, जिनमें पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, जांच उपकरण एवं दवाइयां उपलब्ध रहेंगी। साथ ही हितग्राहियों के लिए आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे कृषक जिनकी भूमि का बंटवारा हो गया हो या खातेदार की मृत्यु हो चुकी हो, उन परिस्थितियों में पात्र व्यक्ति को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ अवश्य दिलाया जाए। अमृत सरोवर तालाबों के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बरखेड़ा के विकास को लेकर मुख्यमंत्री से मिले विधायक स्वामी प्रवक्तानंद

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत लखनऊ। बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाक़ात कर क्षेत्र की समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक ने मुख्यमंत्री के सामने बरखेड़ा में उच्च शिक्षा की व्यवस्था की गंभीर कमी को रखा। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कोई डिग्री कॉलेज न होने के कारण हजारों छात्र-छात्राओं को दूरस्थ जनपदों में जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है। इससे न केवल समय और ऊर्जा की हानि होती है, बल्कि अभिभावकों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। विधायक ने मांग की कि बरखेड़ा में शीघ्र ही महाविद्यालय की स्थापना की जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सके। स्वामी प्रवक्तानंद ने हाल ही में बाढ़ और भारी वर्षा से प्रभावित किसानों की दयनीय स्थिति की ओर भी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि धान और गन्ने की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है तथा कई परिवारों के घर और खेत कटान की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस स्थिति में प्रभावित किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता व मुआवजा मिलना आवश्यक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक की बातों को गम्भीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि किसानों और विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर होगा। बरखेड़ा क्षेत्र की जनता ने विधायक की इस पहल का स्वागत किया है और इसे विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया है।

संक्षिप्त समाचार

लावारिस एवं सीज वाहन 07 दिवस में कराएं अवमुक्त, अन्यथा होगी नीलामी - पुलिस अधीक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि जनपद जालौन के समस्त थानों पर विगत छह माह से अधिक समय से सीज एवं लावारिस खड़े वाहनों को उनके स्वामियों द्वारा अभी तक अवमुक्त नहीं कराया गया है। उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने-अपने वाहन संबंधित थाना प्रभारी अथवा सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर आगामी 07 दिवस के भीतर अवमुक्त करा लें। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समयावधि में वाहन न छुड़ाने की स्थिति में ऐसे सभी वाहनों की नीलामी राजकीय हित में कर दी जाएगी।

छत से गिरकर आठ वर्षीय बच्ची घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। थाना मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर गंगापुर के मजरा गंगापुर में एक दर्दनाक घटना सामने आई। शाम करीब 8 बजे अंजनी (8) पुत्र रमेश गुप्ता अपने घर की छत पर पढ़ाई कर रही थी। इस दौरान उसकी माँ ने उसे नीचे बुलाया, लेकिन उतरते समय वह अचानक छत से गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने तुरंत अंजनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में भर्ती कराया, जहाँ चिकित्सक डॉ. खुर्शीद खान ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची की स्थिति स्थिर है और उपचार जारी है। ग्रामीणों ने घटना पर गहरा दुख जताया। परिजन भी घबराए हुए है लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में अंजनी की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

प्रेमिका ने जहर खाकर दे दी जान, सुना तो प्रेमी ने भी निगला विषाक्त; बोला- जी न सके...लेकिन साथ मरेंगे

प्रेमिका ने जहर खाकर दे दी जान, सुना तो प्रेमी ने भी निगला

विषाक्त; बोला- जी न सके...लेकिन साथ मरेंगेयूपी के अंबेडकरनगर में परिजनों की सख्ती के बाद प्रेमी युगल ने जहरीला पदार्थ खा लिया। युवती की मौत हो गई, जबकि युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घरवालों से बात करके जानकारी ली है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों साथ जीने-मरने की कसमें खाते थे। लेकिन, घरवालों को यह मंजूर नहीं था। घटना जहांगीरगंज थाना क्षेत्र की है। बताया गया कि प्रेमी नदीम (22) और प्रेमिका शाइमा खातून (19) दोनों स्वजातीय थे। दोनों के बीच करीब एक साल से प्रेम संबंध थे। उनके घरवालों को यह बात पता चल चुकी थी। इसको लेकर कई बार दोनों परिवारों में टकराव हो चुका है। घरवालों ने दोनों को एक-दूसरे से मिलने से मना कर दिया था। घरवालों द्वारा लगाई पांबदी से नाराज होकर रविवार की रात शाइमा खातून ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर घरवाले उसे लेकर आजमगढ़, अस्पताल के लिए निकल गए। रास्ते में नरियांव बावली चौक के पास युवती ने दम तोड़ दिया। इसके बाद घरवाले गुपचुप तरीके से उसे दफनाने की तैयारी करने लगे। इसकी जानकारी नदीम को मिली तो सोमवार की सुबह उसने भी विषाक्त पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर घरवाले आनन-फानन उसे लेकर बसखारी के एक अस्पताल पहुंचे। वहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप यादव ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया कि तहरीर मिलने पर जांच करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Why are the symptoms of ovarian cancer ignored? These mistakes increase the risk, know the ways to prevent it

Ovarian cancer is a serious cancer that occurs in women, to spread awareness about which Ovarian Cancer Awareness Month is celebrated every year in September. According to Dr. Pratibha Singhal, considering its symptoms as a period-related problem often leads to delay in identification. However, doing so can be harmful for health. Ovarian cancer is a serious disease. It only makes women its victims. Its symptoms are very common, which people often ignore. Ovarian cancer is a serious cancer that occurs in women. Many women around the world are affected by it and many have lost their lives due to it. In such a situation, Ovarian Cancer Awareness Month is celebrated every year in the month of September with the aim of spreading awareness about this serious disease. On this occasion, today we will tell you why there is often a delay in identifying ovarian cancer. Also, we will know why its symptoms are considered to be a period-related problem. To know more about this, we spoke to Dr. Pratibha Singhal, Senior Director, Gynecology, Max Super Specialty Hospital, Noida. Let's know what the doctor says - Symptoms of Ovarian Cancer The doctor says that the symptoms of ovarian cancer are commonly known as period problems, because due to its similar symptoms, the diagnosis gets delayed. Common symptoms of ovarian cancer include: - Frequent bloating: Persistent bloating that does not subside is not always associated with periods. Sometimes this bloating can be a sign of ovarian cancer. Abdominal or pelvic pain: Persistent pain in the lower abdomen or pelvis that does not stop can be a sign of ovarian cancer, different from menstrual cramps. Difficulty eating or feeling full quickly: Do not take it lightly even if you feel less hungry or feel full after eating a small amount. Urine problems: Frequent or sudden urination is also a major symptom of this disease, which is usually mistaken for a urinary tract

infection or other less serious condition. Period problems: Changes in period patterns, including heavy bleeding, spotting between periods or bleeding after menopause, are also symptoms of this disease. Fatigue and weakness: Do not ignore persistent weakness that cannot be relieved by rest. Weight loss: Weight loss is another symptom that is often considered common. However, it is one of the important symptoms of ovarian cancer. Why are symptoms ignored? All these symptoms are usually not specific and can be combined with normal digestive or period-related complaints, making its early diagnosis difficult. Ovarian cancer is a silent killer, as its symptoms are quite mild and are easily ignored. Symptoms are ignored due to these reasons: Little information about ovarian cancer and its symptoms. Symptoms are similar to less serious conditions like irritable bowel syndrome or hormonal disorders. There are no good early detection tests available for ovarian cancer. Risk factors: Women above 40 years of age, especially those aged 50-79 years. Women with a family history of ovarian, breast, endometrial or colorectal cancer. Mutations in the BRCA1 and BRCA2 genes. Women who have never had children or women who have a history of endometriosis.

Prepare children for the outside world, teach them how to identify dangerous people

To protect children from dangerous people, it is important to teach them to be cautious. For example, if someone tells them not to tell mom-dad or takes excessive interest in their personal life, then teach them to be careful in such a condition. Let's know about some more such dangerous people. Raising children is challenging for parents. Especially when children start growing up and are exposed to the outside world. In such a situation, it is important to teach them to identify some people. In today's time, the safety of children is most important, because they are innocent and many times they are unable to differentiate between right and wrong, due to which wrong people can take advantage of them. In such a situation, it is important to teach children to identify dangerous people and to be cautious of them. If children learn to identify any suspicious behavior, they can improve their safety. Therefore, here are some very important tips that will help children to identify dangerous people, so let's know about them - People who say "Don't tell your mom-dad" If a person tells the child that "Don't tell this to your parents," then it is a sign of danger. Explain to the children that if anyone says this to them, then immediately tell their parents and keep distance from such people. People who show excessive interest If a person takes excessive interest in the personal life of the child, asks about their friends, school, or home, then one should be cautious. The child should be kept away from such a person. People who ask for help in a suspenseful manner Some people ask for help from children in such a way that they feel helpless, like - "My cat is lost, will you help me?" or "Your mother has sent me, come with me." People who force friendship If a stranger tries to force friendship with the child, calls him by a special name, or repeatedly tries to attract attention, then it can be a danger signal. People who touch inappropriately If someone tries to touch the child inappropriately, insists on holding hands, hugging or making him sit on their lap, then it can be a danger signal. It is important to tell children about "good touch" and "bad touch." People who tempt with gifts or food and drinks If an unknown person tries to entice by giving toffees, toys, or any other thing, then make it a habit to not accept it and immediately inform the parents. People who try to call or take away alone Anyone who tries to call or take the child away, saying "This is a secret between us only," can be suspicious. People who chat with strangers online Wrong people on the Internet can try to befriend children. Teach them not to interact with strangers online and not to share their personal information with anyone.

Not only Delhi-Mumbai, now people are having extramarital affairs in small cities too; the trend is increasing due to 5 reasons

A survey has revealed that extra marital affairs are no longer limited to big cities but their trend is increasing in small cities as well. The number of Indian users has increased on apps like Gleeden and Ashley Madison. Let's know why cases of extra marital affairs are increasing in small cities. Extra marital affairs are now common in India too. It is increasing not only in big cities but also in small cities. There can be many reasons behind this, which are important to know. With changing times, the definition of relationships has also started changing. Now the trust and love in relationships has started decreasing like before. This is the reason why relationships of many people around us, from many big celebrities to common people, are seen breaking. Not only this, the situation of infidelity these days is such that due to this, the relationship of husband and wife is becoming a crime thriller. Looking at the atmosphere of the last few days, it seems that cheating and infidelity are at their peak, meanwhile, shocking figures have come out in a study about this. Let's know about this survey in detail - what does the survey say? In the last few times, many such cases of infidelity have come to light across the country, which have made people lose faith in love. It is generally believed that extra marital affairs are common in big cities like Delhi-Mumbai, but the shocking figures revealed in the survey revealed that now the trend of extra marital affairs has started increasing in small cities as well. The number of Indian users is increasing in apps like Gleeden and Ashley Madison which have extra marital affairs and the surprising thing is that most of these users were from Kanchipuram in Tamil Nadu. These figures made it clear that now extra marital affairs are neither taboo nor is it happening only in big cities. In such a situation, the question arises that what are the factors that are becoming the reason for increasing extra marital affairs. Let us know about these reasons from senior psychologist Monika Sharma- Unfulfilled needs Many extra marital affairs often start to fulfill needs. The biggest reason for having a relationship with someone other than your marriage is unfulfilled needs. Due to unfulfilled emotional, physical and even spiritual needs in your relationship, a person starts feeling incomplete, which leads him to extra marital affairs. The increasing trend of digital platforms The biggest reason for the increasing extra marital affairs in India is the digital platform, where they get both intimacy and privacy. This is the reason why the number of Indian users has increased in dating apps like Gleeden and Ashley Madison in the recent past, because these apps are perfect for those who are looking for emotional or physical relationship outside marriage. These apps give them facilities like encrypted chat and privacy. Availability of hotels these days is also changing facilities according to changing needs. Nowadays hotels and homestays are easily available, which take care of your privacy as well as provide you a peaceful environment. In this way, you get a chance to spend time with your affair partner without any fear or hesitation. Search for emotional connection Most of the users on such apps, especially women, are in search of an emotional relationship. In such a situation, people give more importance to emotional connection. After this, physical relationship can also be formed, but this rarely happens in the beginning. Loneliness is also a big reason It is often believed that such affairs start as a form of rebellion or to fulfill needs, but in reality, such relationships start due to loneliness. When a person is struggling with loneliness, he may move towards an affair.

'I want stardom like Salman, Shahrukh, Aamir...' Manoj Bajpayee revealed his biggest fear, compared him to all three Khans

Veteran actor Manoj Bajpayee has proved his mettle for his excellent acting by working in many films and series, but Manoj says that he feels that the journey of Salman Khan, Shahrukh Khan and Aamir Khan has been completely different from him and there is a big difference in their fan base. Manoj Bajpayee revealed his biggest fear, compared the journey of Shahrukh, Aamir, Salman Manoj is seen in Juganuma Manoj Bajpayee is currently in the news for his Juganuma. The actor recently OTT release 'Inspector Zende' and theatrical release why he feels claustrophobia revealed that he never chased stardom and explained Khan, Aamir Khan and Salman among new fans. He also explained why Shahrukh Bajpayee said that he was not used Khan are used to it. Expressing his views, Manoj usually seen with big Bollywood to getting tremendous reactions from fans, as is Manoj Bajpayee said, 'I have been stars. In an interview with Bollywood Bubble, people are chasing me, or asking working, I have never come to a situation where from the audience. He said, 'When for autographs. I have never received such reactions because I am not used to it. See, I am surrounded by new fans now, I feel suffocated to it. They have got stardom at the Salman, Saif, Ajay, Shahrukh, Aamir—they are used feels like to be without fans. I am age of 25, 26, right? They don't even know what it in my privacy.' About Jugniuma used to living without fans so I find it very intrusive (Bajpayee), who discovers Set in the 80s, Jugniuma is the story of Dev nestled in the Indian Himalayas. mysteriously burnt trees in his vast fruit orchards despite all efforts, more fires break out, giving him a chance to see himself and his family for what they really are. According to the press note released by the makers, Apart from Bajpayee, the film also stars Tillotama Shome, Deepak Dobriyal, Priyanka Bose, Avan Pookot and Hiral Sidhu in lead roles. Jugniuma is slated to release in theatres on September 12, 2025.

Who is Mirai's beautiful Sadhvi Vibha? The actress is being compared to 'Saiyara's Vaani'

Mirai Teja Sajja, who gave a blockbuster film like Hanuman in 2024, has come up with another mythological thriller Mirai, which released in theaters on September 12. After watching the film, the audience is praising Teja Sajja's acting and VFX, along with this, Ritika Nayak, who played Sadhvi Vibha in the film, is also attracting everyone's attention. Who is Mirai's Sadhvi Vibha The actress is being compared to Sayyara's Vaani Who is Ritika Nayak? South actor Teja Sajja garnered a lot of praise for the mythological film Hanuman last year and now he has brought a mythological Mirai this year. Mirai released in theaters on September 12 and it also caught the attention of the audience. Critics and audiences have praised it a lot for its story as well as its brilliant VFX. Another thing that caught everyone's attention in the film is the character of Sadhvi Vibha, played by Ritika Nayak. Ritika comes from a middle class family of Delhi, she was good in studies but her interest was in the creative field. She participated in the Miss Diva competition in 2020 and emerged as a finalist. While modeling, she got a chance to act in Tollywood and started her career in 2022 with the Telugu film Ashoka Navam Lo Arjuna Kalyanam. After this, she was seen in the 2023 film Hi Nanna in which she worked with Mrinal Thakur and now she is seen in Mirai. In Mirai, she has played a mysterious character in which she becomes a Sadhvi and lives in the valleys of the Himalayas. Ritika's screen presence in the film is getting a lot of appreciation. These actresses are Ritika's inspiration. Ritika is an outsider and had no connection with the film industry. Ritika has made her mark in this industry on her own. She told in an interview that Deepika Padukone and Priyanka Chopra are her inspirations, their struggle and success give her the strength to chase her dreams. In Mirai, Ritika has shared the screen with actors like Teja Sajja, Manchu Manoj, Jagapathi Babu and Shriya Saran. Mirai has been released in theaters on 12 September and the film is getting positive response from critics and audience. Mirai is the story of a warrior who is entrusted with the task of protecting nine sacred texts that can transform any human into a deity.

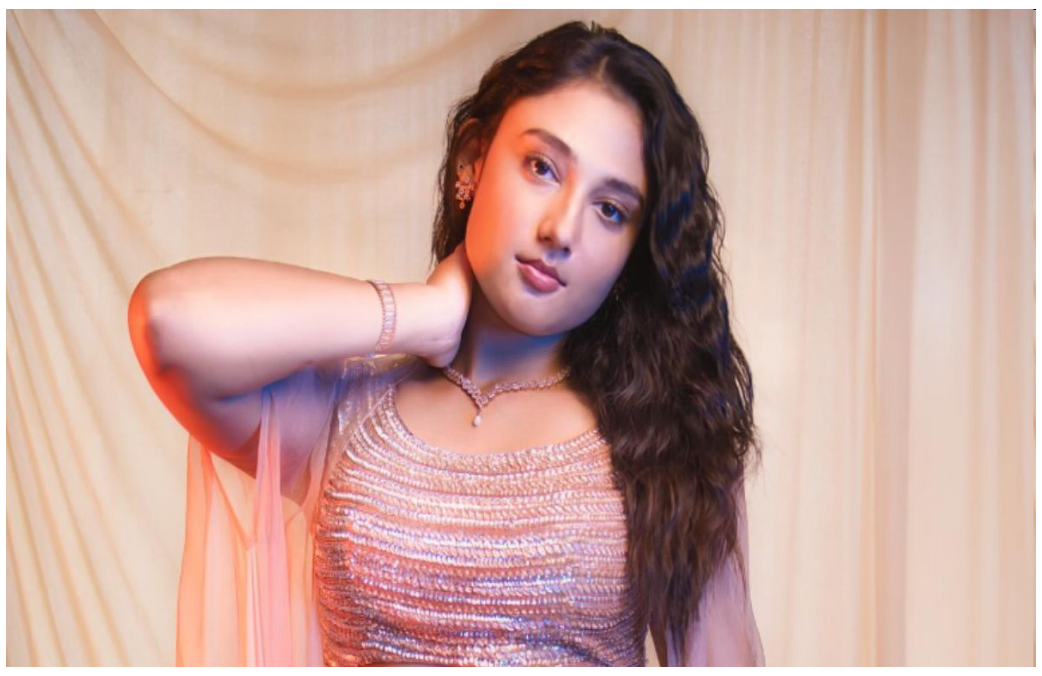

Tiger Shroff's 'Baaghi 4' rocks, leaves Siddharth Malhotra's film behind

Tiger Shroff's Baaghi 4 is an action thriller that has completed a week in theaters. The film got a good response on the first day but some people were disappointed due to the slow story. At the same time, the collection of the eighth day has also come out. Tiger Shroff has played the lead role in the film released on September 5. How much was the collection of Baaghi 4? Tiger Shroff starrer Baaghi 4 was one of the much awaited action thrillers of this year. Since Tiger Shroff was making a comeback after a long time, fans had high expectations from it. The film started well at the box office but later its grip was seen to be loose on the weekday. This action thriller directed by A. Harsh has officially completed a week in theaters. However, it has left behind Janhvi Kapoor and Siddharth Malhotra's film Param Sundari. The film got a positive response. Made in Sajid Nadiadwala's production house, the film received a mixed response at the ticket window. The craze that the trailer of the film had created among the audience, its result was also seen on the first day in the theaters. The acting of Tiger Shroff, Sanjay Dutt and other actors was praised, but many people did not like it due to the slow story. Despite this, this action thriller has maintained a good hold at the box office. According to official figures, Baaghi 4 earned 3 crores on the seventh day. How much was the earnings on the eighth day? However, it saw a decline of 14 percent compared to the previous day's earnings of 3.5 crores. The total box office collection in India increased to 53.74 crores. At the same time, the collection of the eighth day has also come. According to the early trends of Sacnilk, the total collection of the film is around Rs 63.41 crore. What is the budget of Baaghi 4? The estimated budget of this film starring Harnaaz Sandhu and Sonam Bajwa is Rs 80 crore. In just one week, the makers have recovered about 67 percent of the estimated cost. There is no big release today, so Baaghi 4 has another week to earn. Akshay Kumar and Arshad Warsi's Jolly LLB 3 will release on September 19, 2024. So the film has time till then.